शनिवार 18 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :24 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 48 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भगवान राम के देश में तालिबानी सोच नहीं

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 17 अंक : 002 गाजियाबाद, शनिवार 18 अक्टूबर 2025 मूल्य : ₹ 2 पेज : 06 विक्रमी संवत् 2081 युगाब्द 5126 शाक 1946

गुजरात में फेरबदल: 19 नए चेहरे शामिल, 3 महिला मंत्री

✷ वेबवार्ता. गांधीनगर ✷

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को एक बड़े फेरबदल में अपनी मंत्रिपरिषद में 19 नये चेहरों को शामिल किया और अपनी पिछली टीम से छह को बरकरार रखा। हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री के रूप में पदोन्नत किया गया जबकि क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली। इस फेरबदल के साथ, मंत्रिपरिषद की कुल संख्या अब मुख्यमंत्री समेत 26 हो गई है, जो पहले 17 थी।

182 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा में सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत या 27 मंत्री हो सकते हैं। मंत्रिपरिषद का पुनर्गठन 2027 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से दो साल पहले और स्थानीय निकाय चुनावों से कुछ महीने पहले हुआ। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नये मंत्रियों के साथ-साथ उन नेताओं को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है और राज्य मंत्रियों से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है।

सूरत शहर के मुजारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह अब तक गृह राज्य मंत्री थे। पटेल के मुख्यमंत्री के रूप में पिछले चार वर्षों के कार्यकाल में यह पहली बार है कि राज्य में उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है।

आखिरी बार पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विजय रूपाणी के नेतृत्व वाली सरकार में नितिन पटेल उपमुख्यमंत्री थे।

संघवी समेत छह विधायकों को मंत्रिमंडल में बरकरार रखा गया है। सभी 16 मंत्रियों ने हालांकि बृहस्पतिवार को इश्तीफा दे दिया था, लेकिन छह मंत्रियों के इश्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए थे।

इन छह में से तीन – कनुभाई पटेल, ऋषिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया – पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि संघवी, प्रफुल्ल पानसेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल संघवी और पानसेरिया ने शुक्रवार को दोबारा शपथ ली।

संघवी को उपमुख्यमंत्री और पानसेरिया को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए 19 विधायकों में जीतू वाघाणी, अर्जुन मोढवाडिया और मनीषा वकील शामिल हैं।

पोरबंदर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले मोढवाडिया ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। इससे पहले उन्होंने गुजरात कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता का पद भी संभाला था और वह मार्च 2024 में सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए थे।

राज्य मंत्री के रूप में भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को शामिल किया जाना आश्चर्यजनक कदम है। नये 19 मंत्रियों में से जीतू वघानी, मनीषा वकील, ईश्वरसिंह पटेल और नरेश पटेल राज्य में भाजपा सरकारों में अलग-अलग समय पर मंत्री रह चुके हैं। मंत्रिपरिषद में वर्तमान में 25 मंत्रियों में से नौ कैबिनेट श्तर के हैं, तीन स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री हैं और 13 राज्य मंत्री हैं।

मुख्यमंत्री ने फेरबदल में 10 मंत्रियों को हटा दिया, जिनमें उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत, कृषि मंत्री राघवजी पटेल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री भानुबेन बाबरिया और वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलु बेरा जैसे वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

प्रधानमंत्री से मिले मिस्र के विदेश मंत्री, गाजा शांति समझौते में मिस्र की भूमिका की सराहना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत यात्रा पर आये मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलती ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों देशों के बीच बढ़ते सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर विश्तृत चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा क्षेत्र में शांति स्थापना के प्रयासों में मिस्र की अहम भूमिका की सराहना की और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के प्रति शुभकामनाएं प्रेषित कीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मिस्र ने जिस दूरदृष्टि और संतुलन के साथ मध्यपूर्व में शांति बहाली की दिशा में कार्य किया है, वह सराहनीय उदाहरण प्रश्तुत करता है। उन्होंने इस आशा को व्यक्त किया कि मिस्र की मध्यस्थ भूमिका से गाजा क्षेत्र में स्थायी और टिकाऊ शांति स्थापित होगी, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता को भी बल मिलेगा।

सीबीआई ने करूर भगदड़ की जांच संभाली

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अभिनेता से राजनेता बने विजय की तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) पार्टी की ओर से तमिलनाडु के करूर में गत 27 सितंबर को आयोजित एक रैली के दौरान मची भगदड़ की घटना की औपचारिक जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में 41 लोगों की जान चली गयी थी। सीबीआई की एक टीम शुक्रवार की सुबह तमिलनाडु पहुंची और टीम की करूर में घटनास्थल का दौरा करने की उम्मीद है। जांच के तौर पर अधिकारी इस हादसे में बचे लोगों और पीड़ितों के परिवारों से मिलकर उनके बयान दर्ज करेंगे। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने इस घटना की जांच संघीय एजेंसी को सौंप थी। शीर्ष अदालत ने हाल ही में मद्रास उच्च न्यायालय की ओर से घटना की विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा जांच कराने के आदेश को खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने पहले एसआईटी का गठन किया था, जिसका नेतृत्व अधिकारी आशा गर्ग कर रही थीं।

भारतीय सेना प्रमुख से मिले नेपाली सेना के उप प्रमुख, स्थायी संबंधों को सशक्त बनाने पर जोर

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राजधानी में संयुक्त राष्ट्र मिशन में योगदान देने वाले देशों (यूएनटीसीसी) के सैन्य बलों के प्रमुखों के 14 से 16 अक्टूबर तक हुए सम्मेलन के बाद नेपाली सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल प्रदीप जंग केसी ने भारत के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के साथ शुक्रवार को यहां द्विपक्षीय बैठक की। भारतीय सेना के मुख्यालय में हुई इस मुलाकात को लेकर नेपाली सेना ने काठमांडू मे एक वक्तव्य जारी किया जिसमें कहा गया कि इस बैठक में दोनों देशों की सेनाओं के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और पेशेवर संबंधों को और आगे ले जाने को लेकर बातचीत हुई है। इस बैठक के दौरान भारत और नेपाली सेना के बीच स्थायी संबंध और मजबूत करने पर जोर दिया गया।

उपराष्ट्रपति के घर को बम से उड़ाने की धमकी झूठी निकली

✷ वेबवार्ता. चेन्नई ✷। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन के चेन्नई स्थित घर में शुक्रवार को बम रखे होने संबंधी एक गुमनाम कॉल झूठी साबित हुयी।श्री राधाकृष्णन का घर चेन्नई शहर के मायलापुर क्षेत्र में स्थित है। तमिलनाडु पुलिस महानिदेशक कार्यालय को प्राप्त हुए गुमनाम ईमेल के तुरंत बाद पुलिस अधिकारियों ने बम निरोधक दश्ते तथा खोजी श्वानों के साथ परिसर की गहन तलाशी ली। वहां कोई विस्फोटक नहीं मिला और धमकी भरा ईमेल एक झूठी कॉल साबित हुआ। इसी मेल को भेजने वाले गुमनाम व्यक्ति ने कोयम्बटूर में एक स्थान के लिए भी ऐसी ही धमकी दी, जिसकी गहन तलाशी ली गई और धमकी झूठ निकली। गौरतलब है कि चेन्नई पुलिस इस तरह के मामलों को लेकर काफी सतर्कता बरत रही है।

भारत की नदियां केवल विरासत का प्रतीक नहीं बल्कि प्रगति की राजमार्ग हैं : प्रधानमंत्री

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देश के जल परिवहन तंत्र में हो रहे बदलाव की सराहना करते हुए कहा कि भारत की नदियां आज केवल विरासत का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रगति के मुख्य माध्यम बन गई हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के जलमार्गों पर लिखे लेख को साझा करते हुए यह टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने लिखा, 'भारत की नदियां केवल विरासत का प्रतीक नहीं हैं, वे प्रगति के राजमार्ग हैं। पुनर्जीवित जलमार्गों के लिए केंद्रीय मंत्री सोनोवाल के दृष्टिकोण और विकसित भारत की ओर उनके योगदान को जानना महत्त्वपूर्ण है।'

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने अपने लेख में कहा कि एक समय था जब भारतीय नदियां मालवहन का मुख्य स्त्रोत थीं, पर रेल और सड़कों के आगमन के बाद उनका महत्व कम होता गया।

अब सरकार इंटरनल वाटरवेज अथॉरिटी ऑफ इंडिया (आईडब्लूएआई) के सहयोग से नदियों का पुनर्जीवन कर रही है। मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2014 तक केवल 5 राष्ट्रीय जलमार्ग थे, वहीं आज 111 को राष्ट्रीय जलमार्गों का दर्जा दिया गया है, जिनमें से 32 चालू हैं।

बुजुर्ग दंपति से 1.50 करोड़ की ठगी, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को जारी किया नोटिस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

हरियाणा के अंबाला में एक सीनियर सिटीजन को 'डिजिटल अरेस्ट' कर 1.50 करोड़ रुपए ठगे जाने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से कोर्ट की सहायता करने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर केंद्र सरकार, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), हरियाणा सरकार और साइबर क्राइम विभाग, अंबाला को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। कोर्ट ने हरियाणा सरकार और पुलिस अधीक्षक, साइबर क्राइम अंबाला को अब तक की गई जांच की पूरी रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल करने का भी निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा कि ऐसे मामलों में जल्द से जल्द कठोर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जजों के फर्जी हश्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश से न्यायपालिका पर जनता के विश्वास पर गहरी चोट पहुंचती है।

कोर्ट ने कहा कि यह मामला कोई अकेला मामला नहीं है। मीडिया में कई बार ऐसी खबरें छपी हैं और देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी खबरें लगातार आ रही हैं। इसलिए इस पर जल्द से

जल्द कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

अंबाला में हरियाणा रोडवेज की रिटायर्ड ऑडिटर शशिबाला सचदेव और उनके पति को ठगों ने 3 से 16 सितंबर के बीच निशाना बनाया था। साइबर ठगों ने सीबीआई के फर्जी अधिकारी बनकर व्हाट्सएप पर वीडियो कॉल किया और सुप्रीम कोर्ट का फर्जी आदेश दिखाकर उन्हें डराया।

साइबर ठगों ने उन्हें मनी लॉन्ड्रिंग के झूठे केस में फंसाने का डर दिखाकर 13 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट करके रखा था। इस दौरान ठगों ने बुजुर्ग दंपति से 1.50 करोड़ रुपए ठग लिए।

मामले का खुलासा तब हुआ जब तनाव में आए बुजुर्ग दंपति की तबियत बिगड़ी और उन्होंने अपनी बेटी को पूरी कहानी बताई। इसके बाद साइबर थाने में केस दर्ज कराया गया था।

'वाटर सैल्यूट' के बाद एलसीए तेजस मार्क-1ए ने नासिक में पहली उड़ान भरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

देश ने विमानन और रक्षा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में शुक्रवार को एक मील का पत्थर पार किया, जब लंबे इंतजार के बाद लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क-1ए ने महाराष्ट्र के नासिक में पहली उड़ान भरी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में स्वदेशी विमान को 'वाटर सैल्यूट' देकर भारत की बढ़ती ताकत का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद रक्षा मंत्री ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की नासिक यूनिट में एलसीए मार्क 1ए की तीसरी लाइन और एचटीटी-40 की दूसरी लाइन का उद्घाटन किया। इससे इन विमानों के उत्पादन में तेजी आएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस मौके पर कहा कि एचएएल की नासिक यूनिट में एलसीए मार्क-1ए तेजस और एचटीटी 40 विमान का उत्पादन होता है।

दोनों विमानों के निर्माण में तेजी लाने के लिए आज एलसीए तेजस बनाने वाली तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी 40 विमान की दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन हो रहा है। उन्होंने कहा, नासिक एक ऐतिहासिक भूमि है, जहां भगवान शिव त्र्यंबक के रूप में निवास करते हैं। नासिक आस्था, भक्ति, आत्मनिर्भरता और क्षमता का प्रतीक बन गया है। यहां एचएएल देश की रक्षा शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। जब मैंने आज सुखोई-30, एलसीए तेजस और एचटीटी-40 को एक साथ उड़ान भरते देखा, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया।

रक्षा मंत्रालय ने 25 सितंबर को नई दिल्ली में 97 एलसीए एमके-1ए विमानों और संबंधित उपकरणों के लिए एचएएल के साथ 62,370 करोड़ रुपये के एक अनुबंध पर हश्ताक्षर किए हैं। इससे पहले 83 तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट के सौदे पर 03 फरवरी, 2021 को बेंगलुरु में एयरो इंडिया के दौरान एचएएल के साथ हश्ताक्षर हुए थे। इस तरह अब कुल 180 विमानों का उत्पादन किया जाना है। एचएएल ने 83 विमानों का पहला ऑर्डर मिलने पर प्रति वर्ष 16 जेट तैयार करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन 97 विमानों का और ऑर्डर मिलने पर प्रति वर्ष 32 जेट का उत्पादन करने की तैयारी है। इसलिए रक्षा मंत्री ने आज एलसीए तेजस बनाने वाली तीसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन किया है।

एचएएल के मुताबिक एलसीए तेजस मार्क-1ए फाइटर जेट में एवियॉनिक्स, हथियार और रखरखाव में 43 तरह के सुधार किये गए हैं। अब इसमें अत्याधुनिक एईएसए रडार होगा, जो तेजस मार्क-1 के इजराइली ईएल/एम-2032 रडार से बेहतर होगा। पहले बैच में इजराइली ईएल/एम-2052 रडार होगा, जबकि बाकी में स्वदेशी 'उत्तम' रडार होगा।

डाक विभाग जनवरी से 24 घंटे और 48 घंटे में 'डिलीवरी' गांरटी के साथ नई सेवाएं शुरू

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय डाक 24 घंटे

और 48 घंटे की डिलीवरी समय सीमा के साथ मेल और पार्सल की गारंटी आधारित सेवाएं अगले साल जनवरी में शुरू की जाएंगी। हम डाक और पार्सल की डिलीवरी की गारंटी के साथ नए उत्पाद लॉन्च करने जा रहे हैं।

केंद्रीय संचार मंत्री ने यहां प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जनवरी से 24 घंटे और 48 घंटे डाक वितरण और अगले दिन पार्सल वितरण शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि पार्सल की अगले दिन डिलीवरी के लिए भी ऐसी ही सेवाएं होंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पार्सल की डिलीवरी अगले दिन हो, जबकि अभी इसमें 3-5 दिन लगते हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 तक भारतीय डाक को 'लागत केंद्र' से 'लाभ केंद्र' में बदलना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह नई सेवा जनवरी में शुरू की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य भारतीय डाक के संचालन को आधुनिक बनाना, ग्राहकों का विश्वास बढ़ाना और निजी कूरियर सेवाओं के साथ अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना है, जिससे देश भर में तेज़ और अधिक विश्वसनीय वितरण सुनिश्चित हो सके।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया को संबोधित करते हुए इंडिया पोस्ट ऑफिस की एक वर्ष की परिवर्तनकारी प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रामीण डाक सेवक भारत की पूंजी हैं।

तमिलनाडु सरकार की याचिका स्थगित

राष्ट्रपति संदर्भ के फैसले का इंतजार करें : एससी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने तमिल नाडु सरकार द्वारा दायर रिट याचिका की सुनवाई शुक्रवार को स्थगित कर दी, जिसमें राज्य ने गवर्नर के 2025 के "कलाईनागर यूनिवर्सिटी बिल" और "स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बिल" को राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजने के निर्णय को चुनौती दी थी।

सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि राज्य राष्ट्रपति के संदर्भ पर निर्णय का इंतजार करे, जिसमें राष्ट्रपति और गवर्नर द्वारा संविधान के अनुच्छेद 200/201 के तहत बिलों को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने का मुद्दा शामिल है। चीफ़ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी। सीजेआई गवई ने सीनियर एडवोकेट डॉ. एएम सिंहवी (जो राज्य की ओर से पेश थे) से कहा, "आपको केवल चार सप्ताह का इंतजार करना होगा, संदर्भ 21 नवंबर से पहले तय होना है।" ध्यान देने योग्य है कि सीजेआई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। तमिल नाडु सरकार ने गवर्नर द्वारा दो बिलों को रोककर राष्ट्रपति को भेजे जाने के फैसले को चुनौती देते हुए रिट याचिका दायर की है। सीनियर एडवोकेट एएम सिंहवी और मुकुल रोहतगी तमिल नाडु सरकार की ओर से पेश हुए। सिंहवी ने कहा कि गवर्नर बिल की धाराओं को न्यायाधीश की तरह जज नहीं कर सकते और इसे 'विरोधाभासी' नहीं ठहरा सकते। रोहतगी ने कहा, "क्या गवर्नर हर क्लॉज की जाँच कर यह तय कर सकते हैं कि यह विरोधाभासी है?"

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि 2015-2025 के बीच राज्यों के गवर्नरों ने राष्ट्रपति के समक्ष कुल 381 संदर्भ भेजे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर हर गवर्नर का संदर्भ कोर्ट में चुनौती दिया जाए, तो कोर्ट को इसके लिए अलग पीठें बनानी पड़ सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिल के प्रावधानों की जाँच करना और संदर्भ भेजना गवर्नर का संवैधानिक कर्तव्य है।

यह याचिका तमिलनाडु सरकार की ओर से एओआर मिषा रोहतगी की सहायता से दायर की गई है। 11 सितंबर को 5-सदस्यीय पीठ ने राष्ट्रपति संदर्भ पर अपना निर्णय सुरक्षित रखा था, जो राष्ट्रपति द्वारा तब दिया गया था जब दो-सदस्यीय पीठ ने तमिल नाडु गवर्नर मामले में बिलों पर राष्ट्रपति और गवर्नर की समयसीमा तय की थी।

डॉ.अमरसूर्या की यात्रा से श्रीलंका-भारत संबंधों को मिलेगी नयी गति : मोदी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने शुक्रवार को यहां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया।

श्री मोदी ने डा अमरसूर्या का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी भारत यात्रा ऐतिहासिक है और बहुआयामी भारत-श्रीलंका संबंधों को नई गति प्रदान करेगी। दोनों नेताओं ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार विकास सहयोग और मछुआरों के कल्याण सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। श्री मोदी ने भारत और श्रीलंका के बीच विशेष संबंधों पर प्रकाश डालते हुए दोनों देशों की साझा विकास यात्रा में साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। श्रीलंका की प्रधानमंत्री इन दिनों भारत की यात्रा पर यहां आई हुई हैं।

जुबिन गर्ग की समाधि पर राहुल गांधी ने अर्पित की श्रद्धांजलि

वेबवार्ता. गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम के प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग के असामयिक निधन के 28 दिन बाद शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित करने के उद्देश्य से कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद राहुल गांधी असम पहुंचे।

बोरझार हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद वह दोपहर 2 बजे सोनापुर के कमारकुची स्थित जुबिन गर्ग की समाधि स्थल पर पहुंचे। वहां उन्होंने जुबिन गर्ग की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर कलाकार को श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा राहुल गांधी ने जुबिन गर्ग की तस्वीर के सामने एक गामोछा भी अर्पित किया।

हत्या के मामलें में आजीवन कारावास

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। एसएसपी के निर्देशन में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को शीघ्र सजा दिलाये जाने हेतु अलीगढ़ पुलिस की गुणवत्तापूर्ण विवेचना एवं अभियोजन की संयुक्त प्रभावी पैरवी से न्यायालय द्वारा हत्या के मामलें में दोषी को सजा सुनायी गई। थाना बन्नादेवी पर पंजीकृत हत्या के प्रकरण में वांछित चल रहे सचिन पुत्र रमेश निवासी सिदार्थ नगर चूहरपुर थाना बन्नादेवी अलीगढ़ को माननीय न्यायालय द्वारा दोषी पाये जाने पर सश्रम आजीवन कारावास व 20,000 हजार रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया ।

अवैध हथियार लेकर युवक का फोटो वायरल

✷ **एनसीआर टुडे. अलीगढ़** ✷। सासनी गेट थाना क्षेत्र में अवैध हथियार के साथ एक युवक का फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल फोटो में युवक को खुलेआम हथियार लहराते हुए खड़ा देखा जा सकता है, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। फोटो में दिख रहे युवक की पहचान कुनाल यादव पुत्र प्रदीप यादव, निवासी गली नंबर-4, महेंद्र नगर कालिदाह के रूप में बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, फोटो वायरल होने के बाद भी पुलिस की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। रात में दो पुलिसकर्मी युवक के घर पहुंचे थे, परंतु जांच की दिशा में कोई स्पष्ट कदम न उठाए जाने को लेकर लोगों में नाराजगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि यह फोटो सच है, तो ऐसे मामलों में तत्काल सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि समाज में गलत संदेश न जाए। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और फोटो की सत्यता की पुष्टि के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पीजी से दो लैपटॉप व सामान चोरी

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। सेक्टर-19 स्थित पीजी से पूर्व मेजर और उनके साथी के दो लैपटाप चोरी होने का मामला सामने आया है। इस मामले में कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूल रूप से चेन्नई के रहने वाले एंटोनी निशांत सेवानिवृत्त मेजर हैं। वह वर्तमान में एक मीडिया हाउस से जुड़े हुए हैं। उन्होंने नोएडा सेक्टर 19 स्थित ए ब्लाक में पीजी लिया हुआ है। नितेश अग्रहारी उनके रूममेटस हैं। दोनों 12 अक्टूबर की रात कमरे में सो रहे थे। रात में चोर कमरे में घुसे और दोनों के लैपटाप को चोरी कर ले गए। सुबह जागने पर चोरी होने का पता चला। उन्होंने लैपटाप आसपास ढूंढा, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। कोतवाली सेक्टर-20 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ला का कहना है कि इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से एक की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. नोएडा** ✷। दादरी में दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर चिपियाना व मारीपत रेलवे स्टेशन के बीच रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से तीस वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर 16 अक्टूबर को चिपियाना व मारीपत रेलवे स्टेशन के बीच 30 वर्षीय व्यक्ति रेलवे लाइन पार कर रहा था। रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस मृतक के शव की शिनाख्त के प्रयास करने में लगी है।

8 वर्षीय लापता बच्ची को पुलिस ने 12 घंटे में तलाश किया

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। दनकौर के खेरली हफीजपुर कस्बा निवासी व्यक्ति के घर आई 8 वर्षीय बच्ची अचानक लापता हो गई थी। परिजन ने इस मामले की शिकायत पुलिस से की। सूचना के बाद पुलिस सक्रिय हुई और करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे सकुशल बरामद कर लिया। मूलरूप से अलीगढ़ जिले के नगला तिकोना गांव निवासी धर्मेंद्र ने मंडी श्याम नगर पुलिस चौकी पर अपनी बेटी पायल के लापता होने की सूचना दी थी। पायल अपनी मौसी रानी के साथ दनकौर थाना क्षेत्र के खेरली हाफिजपुर कस्बे में रह रही थी। वह बृहस्पतिवार सुबह को अचानक कहीं चली गई थी। सूचना मिलते ही दनकौर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मिशन शक्ति, क्राइम डिटेक्शन टीम और मंडी श्याम नगर चौकी की संयुक्त टीमें गठित कीं। बच्ची की तलाश के लिए सोशल मीडिया, सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय संसाधनों का सहारा लिया गया। लगभग 12 घंटे की गहन तलाश के चलते पायल को देर रात सिकंदराबाद (बुलंदशहर) से सकुशल बरामद कर लिया गया।

महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री

करनी छाप को 3 सीटें मिलने का दावा; सहरसा से लड़ेंगे आईपी गुप्ता

पटना, एजेंसी।
बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में विपक्षी दलों के महागठबंधन में 7वें दल की एंट्री हो गई है। पान समाज (तांती, ततवा जाति) की राजनीति करने वाले आईपी गुप्ता ने दावा किया है कि उनकी इंडियन इंक्लूसिव पार्टी को महागठबंधन में 3 सीटें मिल गई हैं। आईपी गुप्ता खुद सहरसा सीट से अपनी पार्टी के करनी छाप चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे। उन्होंने शुक्रवार को अपना पर्चा दाखिल करने की बात कही है। उन्होंने यह भी दावा किया है कि 3-4 सीटों पर उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को राजद और कांग्रेस के सिंबल पर लड़ाने पर सहमति बनी है। हालांकि, महागठबंधन के प्रमुख दल राजद या कांग्रेस की ओर से अभी इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के चीफ आईपी गुप्ता बीते कई दिनों से महागठबंधन के शीर्ष नेताओं से संपर्क में थे। बिहार वोटर अधिकार यात्रा के दौरान उनकी कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात भी हुई थी। इसके बाद पिछले सप्ताह उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव के साथ बैठक का वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था।

आईपी गुप्ता ने गुरुवार रात को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट कर कहा कि उनकी पार्टी महागठबंधन का हिस्सा बन गई है। हम घर वाले नहीं बल्कि गोतिया बने हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के इतिहास में पहली बार तांती, तता, पान समाज की अपनी पार्टी चुनावी मैदान में उतरेगी।

अखिल भारतीय पान महासंघ के अध्यक्ष आईपी गुप्ता ने कांग्रेस छोड़कर नई पार्टी बनाई थी। इसी साल अप्रैल महीने में उन्होंने पटना के गांधी मैदान में पान समाज की बड़ी रैली करके सबका ध्यान खींचा था। बिहार में हुए जाति आधारित सर्वे के आंकड़ों के अनुसार तांती-ततवा जाति के लोगों की आबादी लगभग 2 प्रतिशत है। ऐसे में कम मार्जिन से हार-जीत वाली सीटों पर पान समाज के मतदाता निर्णायक भूमिका में रह सकते हैं।

बता दें कि महागठबंधन में राजद, कांग्रेस, सीपीआई-माले, सीपीएम, सीपीआई और मुकेश सहनी की वीआईपी को मिलाकर 6 पार्टियां पहले से है। आईपी गुप्ता की इंडियन इंक्लूसिव पार्टी के आने से कुल 7 दल हो गए हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी महागठबंधन का हिस्सा नहीं बन पाई और 25 सीटों पर अलग से अपने प्रत्याशी उतार दिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो के भी बिहार महागठबंधन में सीटें मिलने पर अभी सस्पेंस है।

बताया जा रहा है कि लालू-तेजस्वी की आरजेडी ने अपने कोटे की सहरसा सीट आईपी गुप्ता को लड़ने के लिए दी है। 2020 में जेडीयू की मौजूदा सांसद लवली आनंद ने सहरसा से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन भाजपा के आलोक रंजन झा से हार गई थीं। एनडीए में भाजपा ने 2025 में फिर से मौजूदा विधायक को ही टिकट दिया है।

दूषित पानी पीने से बिगड़ी हालत

गाजियाबाद की महागुनपुरम सोसाइटी में 80 लोग बीमार

गाजियाबाद , एजेंसी।
गाजियाबाद में एनएच-नौ स्थित महागुनपुरम सोसाइटी में दूषित पानी पीने से 80 से अधिक लोग बीमार हो गए। सबसे ज्यादा बच्चे और बुजुर्ग उल्टी-दस्त और पेट दर्द की समस्या से पीड़ित हैं। आरोप है कि पिछले कई दिनों से फ्लैटों में गंदा पानी आ रहा था। निवासियों ने इसकी शिकायत एओए से की, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद लोगों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की तो प्रशासन हरकत में आया।

महागुनपुरम सोसाइटी में दो फेज में करीब 1734 फ्लैट हैं, जहां तकरीबन छह हजार लोग रह रहे हैं। इसमें दूषित पानी की समस्या सबसे ज्यादा फेज एक के रिद्धि, भगीरथी, कावेरी और विनायक टावर में है। इनमें पिछले पांच-छह दिन से दूषित पानी की सप्लाई हो रही है। निवासियों ने इसकी शिकायत एओए से भी की, लेकिन एओए ने इस पर ध्यान नहीं दिया। मेंटिनेंस टीम ने कहा कि पानी ठीक है। पिछले दो दिन में सोसाइटी के 80 से ज्यादा लोग बीमार हो गए। सोसाइटी निवासी कुंदन ने बताया कि पहले कुछ लोगों ने खुजली, पेट दर्द और जलन की शिकायत की तो लगा कि मौसम का प्रभाव है। फिर अगले दिन 50-60 लोगों को पेट दर्द, खुजली, जलन के साथ उल्टी और दस्त हो गए। उल्टी-दस्त से सबसे ज्यादा बच्चे और बुजुर्ग प्रभावित हैं। इलाज के लिए क्लीनिक पहुंचे तो डॉक्टर ने बीमारी की वजह दूषित पेयजल बताया। इससे लोगों में एओए के प्रति आक्रोश और लोग कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आरोप है कि रिद्धि टावर का टैंक रिपेयरिंग के लिए भेजा गया है। उसके स्थान पर तीन-चार दिन पहले छत पर अस्थाई पानी की टंकी रखी गई है, लेकिन वह तभी से बिना ढक्कन रखी है। वहीं, अन्य टावरों में भी गंदा पानी आ रहा है। इसके बाद लोगों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर इसकी शिकायत की। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम गुरुवार को मौके पर पहुंची और लोगों का इलाज शुरू किया। लोगों का आरोप है कि सोसाइटी में लगा एसटीपी केवल फेज एक के लिए बनाया गया था, लेकिन फेज दो का भार भी इसी पर है।

जेवर एयरपोर्ट के पास 5000 हेक्टेयर में विकसित होगा एयरोपोलिस

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आसपास करीब 5,000 हेक्टेयर में एयरोपोलिस क्षेत्र विकसित होगा। यहां बिजनेस, मनोरंजन, वाणिज्यिक, होटल, रेस्त्रां और एविएशन गतिविधियों के जोन बनेंगे। ये सभी जोन क्षेत्र के प्रमुख मार्गों से जुड़े होंगे। इस योजना पर जल्द काम शुरू करने की तैयारी है।

यमुना विकास प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि एयरोपोलिस एक ऐसा क्षेत्र होता है, जो एयरपोर्ट के आसपास बनता है, जो हवाई सेवाओं से जुड़े कामों के कारण एक शहर जैसा बन जाता है। इसे एनसीआर फंक्शनल प्लान 2032 के तहत विकसित किया जाना है। यह परियोजना दिल्ली की एयरोसिटी की तर्ज पर जेवर में नोएडा एयरपोर्ट के आसपास विकसित की जाएगी। हालांकि, इसका आकार दिल्ली की एयरोसिटी की तुलना में कई गुना बड़ा होगा। बताया गया कि दिल्ली की एयरोसिटी में ज्यादातर व्यावसायिक गतिविधियां हैं, जबकि नोएडा एयरपोर्ट के पास एयरोपोलिस रिहायशी और औद्योगिक दोनों जरूरतों को पूरा करेगा। इसका ढांचा अत्याधुनिक होगा। साथ ही, एविएशन हब, नवाचार, टेक हब, व्यावसायिक केंद्र, लॉजिस्टिक, होटल, सर्विस अपार्टमेंट्स, प्रोफेशनल ऑफिस और मनोरंजन थीम पर कार्य होंगे। योजना का काम शुरू करने की तैयारी है। परियोजना के तहत विकास कार्यों के लिए बहुउद्देश्यीय भूमि उपयोग (मल्टीपल लैंड यूज) की अनुमति दी जाएगी, ताकि जरूरत के अनुसार क्षेत्र विकसित हो सके।

बस रही अवैध कॉलोनियों पर चले बुलडोजर, 17 एकड़ में बने मकान-दुकान और पीजी सब तोड़े

गुरुग्राम , एजेंसी।
गुरुग्राम के जिला नगर योजनाकार ने गांव भोंडसी और गांव दौला में 17 एकड़ में बस रही अवैध कॉलोनियों पर गुरुवार को तोड़फोड़ की बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान अवैध रूप से बनाई गई दुकानें, पीजी और चारदीवारी पर बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया। डीटीपी अमित मधोलिया ने बताया कि गुरुवार को भोंडसी गांव में पनप रही दो अवैध कॉलोनियों में बने ढांचों को गिरा दिया गया। यह कॉलोनी साढ़े नौ एकड़ से ज्यादा इलाके में विकसित हो रही थीं। दो निर्माणाधीन ढांचों, अवैध रूप से बनाई गई चारदीवारी, 22 डीपीसी (दीवारों की नींव) और अवैध तरीके से बनाए गए पूरे सड़क नेटवर्क को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया गया। चार दुकानों और पीजी को तोड़ दिया गया।

एक दिन पहले बुधवार को दौला गांव में ऐसी ही कार्रवाई की गई। यहां करीब आठ एकड़ भूमि को घेरने वाली अवैध चारदीवारी, अवैध रूप से बिछाए गए सीवर पाइपलाइन और बनाए गए सड़क नेटवर्क को पूरी तरह से हटा दिया गया। वहीं, गुरुग्राम के मानेसर के सेक्टर-6 की टूटी मुख्य सड़क दो विभागों के खींचतान में नहीं बनाई जा रही है। सड़क बनाने को लेकर उद्यमियों की ओर सीएम विंडो में शिकायत किए हुए पांच माह चुका है, लेकिन दोनों में आपसी सहमति नहीं होने से 10 से अधिक उद्योगों में काम करने वाले सैकड़ों कर्मियों के लिए परेशानी बनी है। उद्यमी संजय यादव, एनपी सिंह, पुनीत, मनोज जैन ने कहा कि 150 मीटर लंबी सड़क पर काफी समय से नाहरपुर गांव की ओर से सीवर ओवरफ्लो का पानी आने के कारण भर जाता था। सड़क पर एक से दो फीट तक गड्ढे होने के कारण आना जाना काफी मुश्किल हो गया है। टूटी सड़क पर आए दिन घटनाएं होती रहती है। रात में सड़क पर निकलना किसी खतरे से कम नहीं है। इसकी शिकायत के बाद भी नगर निगम, एसएसआईआईडीसी, जिला प्रशासन की ओर से कोई हल नहीं निकला। इस मामले सीएम विंडो पर बीते मई को एक शिकायत की गई। उद्यमियों का आरोप है कि एचएसआईआईडीसी की ओर से सीएम विंडो की शिकायत को यह कहकर वापस भेज दिया है। हमारे विभाग से संबंधित मामला नहीं। बाद में यह शिकायत मानेसर निगम को भेज दी गई। जहां निगमायुक्त ने शिकायत पर खुद ध्यान देकर सीवर पानी निकासी के लिए स्थाई समाधान करवा दिया।

सोहना-खेड़ला रोड की बदलेगी सूरत, 11 साल बाद शुरू हुआ निर्माण; 2 फेज में होगा काम

गुरुग्राम , एजेंसी।
गुरुग्राम के सोहना से वाया दमदमा झील होते हुए खेड़ला तक जाने वाले महत्वपूर्ण मार्ग का निर्माण कार्य 11 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार शुरू हो गया है। पिछले एक दशक से अधिक समय से इस मार्ग के गड्ढों को केवल भरकर खानापूर्ति की जाती रही थी। हालांकि, निर्माण कार्य शुरू होते ही क्षेत्र के लोग ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप लगाते हुए गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं।

वर्ष 2021 में तत्कालीन प्रदेश मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दमदमा झील पर आयोजित एक कार्यक्रम में मंच से भोंडसी से वाया दमदमा झील सोहना जाने वाले मार्ग का चौड़ीकरण और तुरंत प्रभाव से निर्माण कराने की घोषणा की थी। मुख्यमंत्री की इस घोषणा के लगभग चार साल बाद, बजट मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इस मार्ग का नए सिरे से निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।

यह मार्ग दो अलग-अलग चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में सोहना से वाया दमदमा खेड़ला और दूसरे चरण में भोंडसी से वाया रिठौज खेड़ला तक निर्माण कराने की कवायदें शुरू हो गई हैं। पहले चरण में सोहना से खेड़ला के बीच करीब 10 किलोमीटर लंबे मार्ग पर निर्माण कार्य शुरू हुआ है।

पीडब्ल्यूडी सोहना के एसडीओ सुरेंद्र कुमार ने आश्वासन दिया है कि मार्ग के निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरदाश्त नहीं की जाएगी।

सड़क निर्माण कार्य में ठेका एजेंसी पर मानकों को नजरअंदाज करने का आरोप लग रहा है। क्षेत्र के निवासी और कांग्रेस पार्टी के नेता सतबीर पहलवान ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करते हुए सड़क निर्माण में सही सामग्री का उपयोग न करने का आरोप लगाया है।

गाजियाबाद में 8 दिन रहेगा ट्रैफिक डायवर्जन, 17 से 24 अक्टूबर तक इन रास्तों से बचें

गाजियाबाद, एजेंसी।
अगर आप गाजियाबाद में रहतें हैं या फिर यहां होकर गुजरते हैं तो अब सावधान हो जाएं। आगामी त्योहारों धनतेरस, दीपावली और भैया दूज के दौरान शहर में बढ़ने वाले ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने कई रास्तों पर डायवर्जन प्लान जारी किया है।

भारी व्यवसायिक वाहनों का विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन 17 अक्टूबर की दोपहर 12 बजे से 24 अक्टूबर की सुबह 11 बजे तक रहेगा। वहीं ऑटो और ई-रिक्शा का डायवर्जन 18 अक्टूबर की सुबह 8 बजे से 22 अक्टूबर तक रहेगा। डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने बताया कि बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाम की स्थिति पैदा न हो और नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो, इसलिए भारी और हल्के वाहनों के संचालन पर कई मार्गों पर रोक रहेगी। उन्होंने बताया कि आवश्यकता पड़ने पर डायवर्जन व्यवस्था में बदलाव किया जा सकता है। नागरिकों से अनुरोध है कि अनावश्यक जाम से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। किसी भी यातायात संबंधी जानकारी या सहायता के लिए ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 9643322904 पर संपर्क किया जा सकता है। डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने बताया कि त्योहारी सीजन में भारी संख्या में लोग खरीदारी के लिए बाजार में आते हैं। वाहनों को खड़ा कराने के लिए तीन जगह अस्थायी पार्किंग बनाई गई है। पहली अस्थायी पार्किंग घंटाघर रामलीला मैदान में, दूसरी अस्थायी पार्किंग रमतेराम रोड स्थित नगर निगम के कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स में और तीसरी अस्थायी पार्किंग अंबेडकर रोड स्थित नेहरू युवा केंद्र में बनाई गई है।

जुबिन गर्ग मौत मामले में फास्ट-ट्रैक कोर्ट का गठन

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सिंगर जुबिन गर्ग की मौत मामले को लेकर फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन किया है। उन्होंने केस की जांच और उनकी स्मृति में स्मारक बनाने को लेकर कई अहम फैसलों की घोषणा भी की। सरमा ने कहा, हमने एक शक्तिशाली समिति का गठन किया है, जो जुबिन गर्ग के समाधि स्थल के डिजाइन और ड्राइंग को मंजूरी देगी। इसमें उनकी पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग के साथ-साथ उनके परिवार और दोस्त शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि फास्ट-ट्रैक कोर्ट गठित करने का फैसला लिया गया है, क्योंकि एसआईटी ने हमें भरोसा दिलाया है कि वे समय पर चार्जशीट दाखिल कर सकेंगे। एसआइटी ने इस मामले में बहुत सराहनीय प्रगति की है।

मुख्यमंत्री ने कहा, फास्ट-ट्रैक कोर्ट के साथ-साथ हमने असम के महाधिवक्ता की सिफारिश पर विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करने का फैसला किया है। हम सिंगापुर सरकार के भी आभारी हैं, जिन्होंने असम पुलिस दल को 21 अक्टूबर को सिंगापुर जाने की इजाजत दी। यह असम सरकार की लगातार मांग थी। उन्होंने आगे बताया, मैंने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर से मुलाकात की, जिन्होंने तुरंत सिंगापुर अधिकारियों से बात की और असम पुलिस दल को सिंगापुर जाने की अनुमति न मिलने पर मेरी चिंता जताई। डॉ. जयशंकर के हस्तक्षेप के कारण सिंगापुर ने असम पुलिस दल के दौरे को मंजूरी दे दी।

जेल के बाहर हुई हिंसा पर क्या बोले सरमा

सीएम सरमा ने बक्सा जिला जेल के बाहर हुई हिंसा पर भी प्रतिक्रिया दी, जहां जुबीन गर्ग की मृत्यु के मामले में 5 आरोपियों को लाए जाने के बाद तनाव फैल गया था। मुख्यमंत्री ने कहा, हम आरोपियों को धुबरी या दीफू ले जा सकते थे, लेकिन इसमें पांच घंटे की यात्रा लगती। इसलिए पुलिस ने तुरंत फैसला लेते हुए बक्सा जेल को चुना, क्योंकि यहां आमतौर पर कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य रहती है और लोग बहुत सहयोगी हैं।

शिवसेना के मंत्री और विधायक ने भी विपक्ष के सुर में सुर मिलाया

मुंबई, एजेंसी।
मतदाता सूची में विसंगतियों को दूर करने की विपक्ष की मांग के बीच सत्तारूढ़ शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने भी इसी तरह की मांग की और चुनाव आयोग से दोहरी मतदाता सूची और उन लोगों के नाम हटाने को कहा जिनकी मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उनके नाम सूची में हैं। पत्रकारों से बातचीत में गायकवाड़ ने कहा कि मतदाता को आधार कार्ड और मृत्यु प्रमाण पत्र से भी जोड़ा जाना चाहिए ताकि मतदाता की मृत्यु के बाद उसका नाम तुरंत सूची से हटाया जा सके।

गायकवाड़ ने पूछा, चुनाव आयोग दोहरी मतदाता सूची और उन लोगों के नाम क्यों नहीं हटा रहा है जिनके नाम मर जाने के बावजूद सूची में हैं? उन्होंने आगे कहा कि सूची में ऐसे मतदाता भी हैं जो 30 साल

पहले जिले में रहते थे। उन्होंने ऐसे मतदाताओं की संख्या एक लाख बताई। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव आयोग ने 25 जुलाई को मतदाता सूची पर रोक लगा दी है, लेकिन उन लोगों का क्या होगा जो अंतिम तिथि के बाद मतदान के पात्र हुए हैं।

रत्नागिरी में शिवसेना मंत्री योगेश कदम ने कहा कि अगर विसंगतियों को दूर करने की मांग है तो यह उनकी पार्टी की भी मांग होगी। गृह (शहरी) विभाग में राज्य मंत्री कदम ने कहा, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अगर मतदाता सूची में दोहरे मतदाता हैं तो चुनाव आयोग को इसमें सुधार करना चाहिए। मुंबई में राकांपा (सपा) नेता रोहित पवार ने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति के प्रतिकूल परिणामों के बाद फर्जी मतदाताओं का पंजीकरण, वास्तविक मतदाताओं का बड़ी संख्या में विलोपन और मतदाताओं का दोहरा पंजीकरण जैसी गड़बड़ियां हुई हैं।

पवार ने दावा किया कि ''गैर समर्थक'' मतदाताओं को मृत दिखाया गया और मृत व्यक्तियों के नाम पर फर्जी मतदान हुआ। राकांपा नेता ने बताया कि 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों के बीच 32 लाख मतदाता जुड़े, यानी प्रति वर्ष 6.5 लाख मतदाता या प्रति माह 54,000 मतदाता जुड़े। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ छह महीनों में 48 लाख मतदाता जुड़े।

उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के बाद उनके कर्जत जामखेड विधानसभा क्षेत्र में 14,292 मतदाताओं के नाम जोड़े गए, 5,360 नाम हटाए गए और 14,162 दोहरे नाम मतदाता सूची में डाले गए। राकांपा (सपा) विधायक ने कहा कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां एक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के आधार कार्ड का इस्तेमाल किसी दूसरे निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता के पंजीकरण के लिए किया गया, जिसमें फोटो और नाम बदल दिया गया।

एनसीआर टुडे
गाजियाबाद, शनिवार 18 अक्टूबर 2025

ममेरे भाई ने किया नाबालिग से दुष्कर्म

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

कोतवाली मोदीनगर इलाके की एक कॉलोनी में ममेरे भाई ने किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। इतना ही आरोपी ने मोबाइल से किशोरी का अश्लील वीडियो भी रिकार्ड कर लिया। वीडियो को प्रसारित करने की धमकी देकर आरोपी ने किशोरी का कई बार शारीरिक शोषण किया। आरोप है कि विरोध पर किशोरी को पीटा भी। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

मोदीनगर की एक कॉलोनी की महिला के मुताबिक, उनकी नाबालिग बेटी मार्च में घर में अकेली थी। इस बीच बेटी का ममेरा भाई घर पर शादी का कार्ड देने आया। उसने अकेला पाकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारपीट की। इस दौरान उसने मोबाइल में अश्लील वीडियो रिकार्ड कर लिया। धमकी दी यदि किसी से इस बारे में बताया तो वीडियो सभी रिश्तेदारों को वॉट्सअप पर भेज देगा।

घबराकर किशोरी शांत हो गई। इसके बाद आरोपी ने किशोरी को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वीडियो प्रसारित की धमकी देकर कई बार शारीरिक शोषण किया। आरोपी का उत्पीड़न जब बर्दाश्त नहीं हुआ तो किशोरी ने स्वजन को सारी बात बताई। स्वजन ने आरोपी का विरोध किया तो उसने उल्टा उनके साथ ही अभद्रता कर दी। परेशान होकर स्वजन मोदीनगर थाने पहुंचे और पुलिस को सारी बात बताई। सीओ मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि किशोरी का मेडिकल परीक्षण करा दिया गया है। किशोरी की मां की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म व पाक्सो अधिनियम में केस दर्ज किया गया है।

ग्रामोद्योग अधिकारी ने खादी महोत्सव प्रदर्शनी का उद्घाटन फीता काटकर किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

पूरे देश में मनाए जा रहे खादी महोत्सव 2025 के अंतर्गत रेलवे फाटक निकट नगीना में "खादी महोत्सव प्रदर्शनी" का शुभारंभ हुआ। खादी महोत्सव प्रदर्शनी का उद्घाटन जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोहन लाल अग्रवाल ने फीता काटकर तथा महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्जित कर व दीपप्रज्वलित कर किया ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार 'हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की गई। इसमें जनपद बिजनौर से आयी पाँच खादी एवं ग्रामोद्योग इकाइयों के स्टॉल लगाए गए हैं। जैसे नगीना खादी एवं ग्रामोद्योग संस्था नगीना मंत्री मोहम्मद सरवर , तथा मुजफ्फरनगर जिला खादी ग्राम उद्योग समिति नूरपुर मंत्री अब्दुल अजीज, तथा अमीरुद्दीन महिला ग्रामोद्योग समिति शरीफपुर खोराज उर्फ गामड़ी मंत्री अमीरुद्दीन, नूतन ग्राम विकास समिति कासमपुर गढ़ी मंत्री अरविंद सिंह,

बढ़ापुर खड़ी ग्रामोद्योग समिति नगीना मंत्री रक्षपाल, की संस्थाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोहन लाल अग्रवाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में ग्रामीण महिलाओं को खादी ग्रामोद्योग से संबद्ध कर "हर घर स्वदेशी" की ही भांति "हर घर आत्मनिर्भर" की अलख जगाने का कार्य निरंतर कर रहे हैं। महिलाओं को स्थानीय खादी संस्थान से जोड़कर खादी परिधान निर्माण तो होगा ही साथ ही सतत रोजगार सृजन को गति भी मिलेगी !

इस सहयोग से प्रशिक्षित महिलाओं को खादी वस्त्र निर्माण के माध्यम से नियमित आय का अवसर मिलेगा, वहीं स्थानीय खादी संस्थानों की उत्पादन क्षमता और आर्थिक स्थिरता भी मजबूत होगी। देश के गरीबों वंचितों को आय का हर स्थाई अवसर प्रदान करने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं।

हमने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की ठानी है। उन्हें प्रशिक्षण प्रदान कर खादी ग्रामोद्योग से संबद्ध किया गया। खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं आज अपने बच्चों का उज्ज्वल भविष्य गढ़ रही है।

जो कभी दूसरों पर निर्भर थीं, आज आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं, परिवार की उन्नति में सहयोग कर, सहारा बनी हैं।

"यदि देश की नारी सशक्त होगी, तो भारत आत्मनिर्भर होना तय है।" इस मौके पर जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोहनलाल अगवाल, क्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी इनामुलहक, कुंवर सुरेश सिंह .सना ग्रुप के चेयरमेन हाजी सरफराज अंसारी, आलमगीर उस्मानी प्रदेश अध्यक्ष अन्नदाता भारतीय किसान युनियन,मंत्री मोहम्मद सरवर , मंत्री अब्दुल अजीज , मंत्री अमीरुद्दीन मंत्री अरविंद सिंह मंत्री रक्षपाल सिंह, केसर इकबाल, इसरार अहमद, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद इश्तखार ,मोहम्मद इस्लामुद्दीन, सुनील कुमार, दिनेश कुमार, पवन कुमार, देवेंद्र चौधरी, हरिओम राठौर आदि कार्यकर्ता व अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्याय पंचायत बैरमाबाद गढ़ी के संकुल स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

एसएनएसएम इंटर कालेज नहटौर में न्याय पंचायत बैरमाबाद गढ़ी के संकुल शतरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिसमें निर्णायक मंडल के अनुसार उच्च प्राथमिक शतर के विजेता 100 मी दौड़ बालक वर्ग नामित, 200 मीटर दौड़ नामित, 400 मीटर दौड़ विशाल, 600 मीटर दौड़ आर्यन, 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग साक्षी, 200 मीटर दौड़ मोहिनी, 400 मीटर दौड़ साक्षी, 600 मीटर दौड़ निशा, लंबी कूद बालक वर्ग नामित, बालिका वर्ग प्रियांशी, बालक वर्ग ओजस, बालिका वर्ग वंश, खो खो बालिका वर्ग उच्च प्राथमिक विद्यालय चकगोवर्धन, क्रिकेट बालक वर्ग बिलासपुर व प्राथमिक शतर के विजेता 50 मी दौड़ बालक वर्ग शौर्य, 100 मीटर दौड़ शौर्य, 200 मीटर दौड़ शौर्य, 50 मीटर दौड़ शगुन, 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग शगुन, 100 मीटर दौड़ बालिका वर्ग अलीशा, लंबी कूद बालक वर्ग सुमित, लंबी कूद बालिका वर्ग खुशी, खो खो बालिका वर्ग प्राथमिक विद्यालय मुकरामपुर, कबड्डी बालक वर्ग प्राथमिक विद्यालय नहटौर द्वितीय, कबड्डी बालिका वर्ग प्राथमिक विद्यालय नहटौर द्वितीय है।

प्रतियोगिता मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रो को पुरस्कृत करते हुए दुष्यंत कुमार प्रधानाचार्य एसएनएसएम इण्टर कालेज ने कहा कि यह बच्चे हमारे देश का भविष्य है खेल में भी यही बच्चे आगे चलकर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करेंगे इसलिए सभी बच्चे मेहनत से खेलते हुए आगे बढ़े तथा सभी शिक्षक इसी प्रकार बच्चो के सर्वांगीण विकास मे अपना योगदान देते रहे।

कार्यक्रम का संचालन संकुल शिक्षक मोहम्मद नईम तथा शुभम विश्वास ने संयुक्त रूप से किया। खेल प्रतियोगिता कराने में संकुल शिक्षक शाहकार फारुकी विकास कुमार राहुल कुमार आनंद कुमार एवं अन्य शिक्षकगण शैलेंद्र प्रकाश, प्रियांशु अग्रवाल, विजय कुमार, विजय अग्रवाल, तस्नीम फातिमा, अंकित शर्मा, मनोज कुमार, कामेंद्र सिंह, जैनेंद्र कुमार, स्वाति सिवाच, मुक्ता जैन, शोभांजली, शाहिद हुसैन, आरती वर्मा, तारिक रब्बानी, निधि रानी, पूर्णिमा सहीफा, जिया, अंशु रानी, दीक्षित, विमल, शुभम शर्मा, आकाश, विजय, कपिल चौधरी, उमेश आदि ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर मे नहटोर के सिद्धांत चौधरी ने जीता गोल्ड मेडल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

आंध्र प्रदेश के गुंटूर में आयोजित सेकंड ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर में यूपी का प्रतिनिधित्व करते हुए नहटौर के सिद्धान्त चौधरी ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

सिद्धान्त चौधरी ने 313 किलो वजन उठाया। आयोजित वेट लिफ्टिंग प्रतियोगिता के अंतर्गत यूपी का प्रतिनिधित्व करते हुए सिद्धांत चौधरी पुत्र संजीव कुमार चौधरी (निवासी ग्राम मुस्सेपुर पाली नहटौर) ने अपने वर्गभार (110 किलो) में स्नैच 135 किलो, क्लीन एंड जर्क में 178 किलो वजन उठाकर गोल्ड मैडल प्राप्त किया। सिद्धांत चौधरी वर्तमान में बरेली पुलिस लाइन में तैनात है।

सिद्धांत के द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धि पर कोच सोहन सिंह, उत्तम बिश्नोई, परमजीत सिंह, सुख चैन सिंह व परिजनों ने खुशी जताई है।

नाबालिग बच्चे से नरेगा मजदूरी कराते हुए ग्राम प्रधान की जिला अधिकारी से की शिकायत

अपने ही हाथों बुने जाल में फसती नजर आ रही प्रधान नसीम फातिमा

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

वीडियों बनाकर हर समय सुर्खियों में रहने वाली चर्चित ग्राम प्रधान नसीम फातिमा खुद ही वीडियों बनाकर अपने ही जाल में फस गई है।

मनरेगा योजना में नाबालिग दलित बच्चे से काम कराने की वीडियो फेसबुक पर डालकर बाल श्रम कानून अधिनियम की धज्जिया उडाने वाली ग्राम प्रधान की शिकायत के बाद डीएम ने टीम गठित कर जांच के आदेश दिये है।

नगीना थाना क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर निवासी कुमारी शगुफ्ता अंजुम ने जिलाधिकारी जसजीत कौर को एक शिकायती पत्र सौंपते हुए बताया था कि ग्राम पंचायत कल्याणपुर की ग्राम प्रधान नसीम फातिमा है, और उसका पति दिलशाद अंसारी वर्ष 2024 में जिला बदर की सजा भी हो चुकी है।

शगुफ्ता अंजुम ने कहा था कि सरकार ने गरीब व असहाय लोगो को लाभ पहुंचाने के लिए मनरेगा योजना शुरु कर रखी है। ग्राम प्रधान नसीम फातिमा ने मनरेगा योजना के तहत गांव के कब्रिश्तान में मजदूरी कार्य कराने के दौरान गरीबी का फायदा उठाकर गांव के ही एक दलित नाबालिग बच्चे से मजदूरी कार्य कराया। ग्राम प्रधान नसीम फातिमा ने नाबालिग बच्चे से काम कराते समय उस नाबालिग बच्चे के साथ अपनी वीडियो भी बनवाई।

ओछी मानसिकता रखने वाली ग्राम प्रधान नसीम फातिमा ने अपने को रातोरात मशहूर होने के चक्कर में मनरेगा योजना में काम कर रहे उस नाबालिग बच्चे की वीडियों अपने फेसबुक पर पोस्ट कर बाल श्रम कानून अधिनियम की धज्जिया उडा दी।

शगुफ्ता अंजुम ने डीएम को साक्ष्य देते हुए हुए यह भी बताया था कि ग्राम प्रधान नसीम फातिमा पति दिलशाद अंसारी के सहयोग से अपात्र अपने सगे देवर नौशाद (बिजली मकेनिक) व अपने परिवार की बरकत पत्नी रियासत व उसकी पुत्री नाजिश सहित गांव के दर्जनों अमीर लोगो के फर्जी जॉब कार्ड व फर्जी हाजिरी दिखाकर मनरेगा योजना में लाखो रुपए का घोटाला कर सरकार को चूना लगा दिया है।

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने शगुफ्ता अंजुम की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी को पूर्ण बोरा को कमेटी बनाकर प्रकरण की जांच कर कार्रवाही के आदेश दिये है।

डीएम के आदेश पर मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा ने सहायक श्रमायुक्त के.के. गुप्ता व सहायक विकास अधिकारी पंकज शर्मा का जांच के लिए टीम का गठन किया है।

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2025

दीपावली एवं छठ पूजा त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 18.10.2025 से 20.10.2025 तक पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

दिनांक 18.10.2025 (शनिवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02252	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04008	आनन्द विहार (ट.)	08:30	जोगबनी	17:00	प्रथम वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया, रायबरेली जं., मॉ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, वाराणसी जं., औंरिहार जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय, खगड़िया जं., मानसी जं., नौगछिया, कटिहार जं., पूर्णिया जं., अररिया कोर्ट एवं फारबिसगंज
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मॉ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुल्तानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंदेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया जं.	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
02418	दिल्ली जं.	09:30	प्रयागराज जं.	19:40	प्रथम वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी एवं फ़तेहपुर
05306	आनन्द विहार (ट.)	00:20	छपरा	22:50	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	इटावा, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., बुढ़वल जं., गोंडा जं., मनकापुर, बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, कप्तानगंज, रामकोला, पडरौना, तमकुही रोड, थावे एवं सीवान
04402	शकूरबस्ती	21:15	लखनऊ	09:30	शयनयान/सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई एवं आलमनगर
04404	शकूरबस्ती	15:15	पटना जं.	13:30	शयनयान/सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, गोविदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04406	शकूरबस्ती	20:15	सहरसा जं.	05:30	शयनयान/सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
04408	आनन्द विहार (ट.)	23:00	पूरी	13:30	शयनयान/सामान्य	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, फतेहपुर, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., पहाड़पुर, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, गोमो, चंद्रपुरा, बोकारो स्टील सिटी, पुरुलिया, बराभूम, चांडिल, टाटानगर, घाटशिला, हिजली, बालासोर, भद्रख, जाजपुर कियोंझर रोड, कटक, भुवनेश्वर एवं खुर्दा रोड जं.
04058	नई दिल्ली	13:30	मुजफ्फरपुर जं.	14:00	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर., सीवान जं., छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर जं.

दिनांक 19.10.2025 (रविवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02254	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान, एग्ज. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर और आरा
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मॉ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुल्तानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंदेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
02878	आनन्द विहार (ट.)	04:00	रांची	05:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, नबीनगर रोड, जपला, गढ़वा रोड जं., डाल्टनगंज, लातेहार, तोरी, बरका काना एवं मुरी
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
02392	आनन्द विहार (ट.)	23:20	पटना जं.	17:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा.	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
02418	दिल्ली जं.	09:30	प्रयागराज जं.	19:40	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ जंक्शन, टुंडला जंक्शन, इटावा, गोविंदपुरी एवं फ़तेहपुर
05220	आनन्द विहार (ट.)	12:00	मुजफ्फरपुर जं.	09:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा.	गोविंदपुरी, प्रयागराज, दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर एवं हाजीपुर
03698	दिल्ली जं.	08:55	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
05580	आनन्द विहार (ट.)	05:15	पूर्णिया कोर्ट	13:45	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, शिशो हॉल्ट, सकरी जं., झंझारपुर जं., घोघरडीहा, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल, गढ़ बरुआरी, सहरसा जं., दौरम मधेपुरा, मुरलीगंज एवं बनमनखी जं.
05284	आनन्द विहार (ट.)	07:00	मुजफ्फरपुर जं.	04:50	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जंक्शन, बस्ती, गोरखपुर, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी एवं मोतीपुर
03310	दिल्ली जं.	11:45	धनबाद	13:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04402	शकूरबस्ती	21:15	लखनऊ	09:30	शयनयान/सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई एवं आलमनगर
04404	शकूरबस्ती	15:15	पटना जं.	13:30	शयनयान/सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, गोविदपुरी, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04406	शकूरबस्ती	20:15	सहरसा जं.	05:30	शयनयान/सामान्य	नई दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
04058	नई दिल्ली	13:30	मुजफ्फरपुर जं.	14:00	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर., सीवान जं., छपरा, सोनपुर एवं हाजीपुर जं.

दिनांक 20.10.2025 (सोमवार) को पूर्व दिशा में प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
02252	नई दिल्ली (वंदे भारत)	08:35	पटना जं.	21:30	वाता. कुर्सीयान	अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
04204	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ	06:35	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयन. एवं सामा.	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर एवं हरदोई
04450	नई दिल्ली	15:10	दरभंगा	16:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
04454	नई दिल्ली	20:00	मानसी	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर जं., हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगू सराय एवं खगड़िया जं.
04456	नई दिल्ली	22:40	धनबाद	02:20	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, आलम नगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मॉ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, भदोही, वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, हज़ारीबाग़ रोड, पारसनाथ एवं गोमो
04458	आनन्द विहार (ट.)	13:40	भागलपुर	14:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा जं., हाथीदा जं., बडहिया, लक्खीसराय जं., किउल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर एवं सुल्तानगंज
04016	आनन्द विहार (ट.)	15:30	सीतामढ़ी	15:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, हापुड, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., गोरखपुर, कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनिया
04452	नई दिल्ली	18:15	हावड़ा जं.	23:30	शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, अलीगढ जं., टुंडला जं., इटावा, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., जंघई जं., वाराणसी जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया, कोडरमा, पारसनाथ, धनबाद जं., आसनसोल जं., दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बंदेल जं.,
04094	हजरत निजामुद्दीन	11:00	पटना जं.	05:00	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गाजियाबाद, गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04096	आनन्द विहार (ट.)	00:05	पाटलिपुत्र	21:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, फेफना जं., बलिया, सहतवार, बकुल्हा, छपरा एवं दिघवारा
04098	नई दिल्ली	09:30	हसनपुर रोड	12:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं सामान्य	गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, बुढ़वल, गोंडा, गोरखपुर, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, बगहा, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, मुजफ्फरपुर एवं समस्तीपुर जं.
04090	आनन्द विहार (ट.)	14:25	पटना जं.	11:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., वाराणसी जं., गाज़ीपुर सिटी, बलिया, सहतवार, सुरेमनपुर, छपरा एवं पाटलिपुत्र
03256	आनन्द विहार (ट.)	23:30	पटना जं.	18:35	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
03258	आनन्द विहार (ट.)	05:00	दानापुर	20:45	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
02398	आनन्द विहार (ट.)	08:20	गया	00:30	प्रथम वाता. 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
03640	दिल्ली जं.	19:00	गया	11:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड
04124	हजरत निजामुद्दीन	15:45	प्रयागराज जं.	09:10	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कोसी कलां, मथुरा जं., आगरा कैंट, धौलपुर, ग्वालियर जं., वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जं., अतर्रा, चित्रकूट धाम, मानिकपुर जं., डभौरा एवं शंकरगढ़

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ जैसे कि पटाखे, पेट्रोल, गैस सिलेण्डर, केरोसिन, इत्यादि कदापि लेकर सफर न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य जानकारी जैसे कि सीट उपलब्धता और समय–सारणी आदि के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें ।

उत्तर रेलवे
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहको की सेवा मे मुस्कान के साथ
पर हमें फॉलो करें

संपादकीय

बिहार चुनावः जहां सियासत का हर ओवर रोमांचक

बिहार चुनाव बेहद रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है, जैसे क्रिकेट का मैच अत्यधिक रोमांचक हो जाता है। बिहार में फ़िलहाल कोई भी राजनीतिक विश्लेषक खुलकर बोलने की स्थिति में नहीं है, अभी कुछ विशेषज्ञों ने अपने दावों में नीतीश कुमार को चुका बता दिया था, तो आज वही कह रहे हैं कि नीतीश कुमार ने बता दिया है कि टाइगर अभी जिंदा है।

एनडीए में दरअसल सीट बँटवारे के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि भाजपा अब एनडीए में जेडीयू को पीछे छोड़कर बड़े भाई की भूमिका में आ चुकी है, परंतु नीतीश कुमार ने अचानक से चुनाव का रुख ही बदल दिया है। जेडीयू ने कहा है कि हमारा गठबंधन भाजपा से है, चिराग पासवान एवं जीतनराम माँझी से नहीं है।

चुनाव से पहले एनडीए एवं महागठबंधन के अंदर खींचतान मची है। चुनावी मुकाबले से पहले दोनों ही गठबंधन में शामिल पार्टियां अपनी-अपनी सहयोगियों से लड़ रही हैं। इस झगड़े की जड सीटों का बंटवारा है, महागठबंधन में भी सीटों का बंटवारा हो गया है, वहीं एनडीए में सीटों का बंटवारा तो हो गया है, लेकिन रह-रहकर उपेंद्र कुशवाहा से लेकर नीतीश कुमार अपनी नाराजगी दिखा रहे हैं। कुशवाहा का मुंह कम सीटें मिलने से नाराज़ हैं, तो जीतन राम माँझी रश्मिरथी की चौपई ट्वीट करके 15 सीटें मांग रहे थे। वहीं नीतीश कुमार तारापुर सीट को लेकर नाराज बताए जा रहे हैं, वे नहीं चाहते थे कि बीजेपी सम्राट चौधरी को तारापुर से टिकट दे हालांकि नीतीश कुमार की नाराजगी को नजरअंदाज करते हुए बीजेपी ने सम्राट को तारापुर से मैदान में उतार दिया है, मंगलवार को ये ऐलान होने के कुछ देर बाद ही नीतीश ने उन सीटों पर उम्मीदवार उतारे दिए जो चिराग पासवान की एलजेपी को मिली थीं।

एनडीए की सीट बंटवारे बाद उम्मीदवारों के नाम का ऐलान शुरू हो गया है। भाजपा के अलावा कोई भी अपनी मजबूत सीटें किसी भी सूरत में छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। नीतीश कुमार ने अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर एनडीए के सीट शेयरिंग के समझौते का फॉर्मूला बिगाड़ दिया है। जेडीयू और बीजेपी में बराबर-बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने का फॉर्मूला तय हुआ था। इसके अलावा बाकी 41 सीटें सहयोगी दलों में बांट दी गई थीं, जिसमें चिराग पासवान की एलजेपी (आर) को 29 सीटें, उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम और जीतनराम मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा को छह-छह सीटें मिली हैं।

एनडीए के सीट शेयरिंग के बाद से उपेंद्र कुशवाहा, जीतनराम मांझी नाराज हैं और अब नीतीश कुमार ने जिस तरह चिराग पासवान को मिली पांच सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं, उससे साफ लग रहा है कि एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा! जेडीयू ने बुधवार को जिन 57 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है, उसमें पांच सीटें ऐसी हैं जो चिराग पासवान के हिस्से आई थीं। एलजेपी को कुल 29 सीटें मिली हैं, इसमें मोरवा, गायघाट, राजगीर, सोनबरसा और एकमा भी थी, जिस पर जेडीयू ने अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं।

राजगीर सीट पर मौजूदा विधायक कौशल किशोर और सोनबरसा के विधायक व मंत्री रत्नेश सदा को जेडीयू ने प्रत्याशी बनाया है। जेडीयू ने एकमा सीट पर पूर्व विधायक धूमल सिंह को प्रत्याशी बनाया है। मोरवा सीट पर विद्यासागर निषाद और गायघाट सीट से कोमल सिंह को जेडीयू ने टिकट दिया है। सीट बंटवारे में ये पांचों सीटें चिराग पासवान के खाते में गई थीं, जिस पर नीतीश कुमार ने अपने प्रत्याशी उतारकर साफ कर दिया है कि वो किसी भी सूरत में अपनी मजबूत सीटें नहीं छोड़ेंगे। हालांकि नीतीश कुमार चिराग पासवान से 2020 चुनाव का बदला ले रहे हैं, चूंकि चिराग पासवान ने भी नीतीश कुमार के साथ यही किया था। जीतन राम मांझी ने भी ऐलान किया है कि वे चिराग पासवान को मिली मखदुमपुर सीट पर अपना प्रत्याशी उतारेंगे। इस तरह से एनडीए में अब खुल्लम खुल्ला लड़ाई शुरू हो गई है। चिराग पासवान ने जिन 29 सीटों पर चुनाव लड़ने का अभी तक प्लान बनाया है, उनमें से कई सीटें ऐसी हैं, जिन पर जेडीयू और बीजेपी का कब्ज़ा है। बीजेपी भले ही अपनी जीती सीटें छोड़ रही हो, लेकिन जेडीयू अपनी जीती हुई सीटें एलजेपी के लिए छोड़ने को तैयार नहीं है। जेडीयू ने जिस तरह से पिछले चुनाव में सीटें जीती थीं, उनमें से छोड़ना उसके लिए आसान नहीं है।

चिराग पासवान की दावे वाली चार सीटों पर बीजेपी का कब्ज़ा है, तो तीन सीटों पर जेडीयू के विधायक हैं। इसके अलावा एक सीट पर जीतनराम मांझी की पार्टी हम का कब्ज़ा है। जेडीयू का सबसे बड़ा एतराज है कि जब शुरू में चिराग पासवान को 22 सीटें देने की बात हुई थी, तब कैसे उन्हें 29 सीटें मिल गईं? बिहार के बीजेपी प्रभारी विनोद तावड़े पिछले एक साल से पार्टी के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाने में लगे हुए थे, लेकिन जिस तरह सीट शेयरिंग का ऐलान होते ही मांझी से लेकर कुशवाहा और नीतीश कुमार ने तेवर दिखाए, उससे सब कुछ उलझता दिख रहा है।

चुनावी सरगर्मी के बीच बीजेपी के लिए सियासी संतुलन बनाना मुश्किल होता जा रहा है। जेडीयू का तर्क है कि सीट शेयरिंग की बात जब तक पटना में चल रही थी, तब चिराग को 22 सीटें देने पर ही सहमति थी, लेकिन जैसे ही वार्ता का दौर दिल्ली शिफ्ट हुआ, चिराग को अचानक 29 सीटें मिल गईं। जेडीयू का कहना है कि चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा का गठबंधन बीजेपी से है। जेडीयू इसमें कहीं नहीं है। जेडीयू का गठबंधन सीधे बीजेपी से है। नीतीश कुमार ने अपने पत्ते खोलकर चिराग पासवान का भले ही खेल खराब कर दिया हो, परंतु चुनौती सीधी भाजपा को मिल रही है।

भगवान राम के देश में तालिबानी सोच नहीं

संजय गोस्वामी

अभी भारत में तालिबान के विदेश मंत्री का भारत आना ऐ मेरे सोच से परे है आप खुश हो रहें होंगे कि पाकिस्तान को ठोक रहा है मैं दुःखी इसलिए हो रहा हूँ कि हमारा देश भगवान राम के विचारों पर चलने वाला है हमारी खुद की 140 करोड़ भारतीय का लोकतान्त्रिक देश है हम मर सकते हैं लेकिन भगवान राम के विचारों से भटक नहीं सकते इसलिए महिला पत्रकार का अपमान भी हुआ देखिए आज आपको सही लगेगा लेकिन विचार को बदलना इतना आसान नहीं है आज न कल वो आपके लिए ही एक दिन सर दर्द साबित होगा।

आज धर्म की नहीं विचारधारा की लड़ाई है धर्म में कहाँ मानव बम बनाना सिखाया गया है जब की उनके आज़ादी के दिन मानव बम को भी प्रदर्शित किया जाता है कंधार प्लेन हाय जेक कहाँ हुआ था बाद में सब एक हो जायेंगे और आप खुद ही आतंकवादी का शिकार हो सकते हैं क्योंकि वहाँ अफगानिस्तान में ओसामा बिन लादेन जैसा कट्टरपंथी आतंकवादी था अतः आप देश की विचाधारा को समझें और शांति के रास्ते पर चले भगवान राम की मर्यादा का पालन करें भगवान दीपावली में अयोध्या में भगवान राम के 14 वर्ष वनवास के बाद रावण को अन्त कर सभी भारतवासी को यह संदेश दिया कि संघर्ष, सेवा और त्याग से ही बुराई का अन्त किया जा सकता है।

कई ऐतिहासिक महाकाव्यों में भगवान श्री राम को भारत की संस्कृति की आत्मा माना जाता है, जिनमें समझने और उसे अपने ऊपर लागू करने से उनके अनगिनत मनोवैज्ञानिक प्रभाव निहित हैं जो हर परिस्थिति में संघर्ष और आगे बढ़ने का मार्ग दिखाता है।

इतिहास में, रामायण और श्रीमद्भगवद्गीता धार्मिक समझ और विश्वासों का मूल रहे हैं और साथ ही कठिन समय में मानव जाति का मार्गदर्शन भी किया है। रामायण के नायक भगवान राम हैं, जिन्हें सम्मानपूर्वक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, जिसका अर्थ है एक मजबूत नैतिक आधार दिया। जनता के बीच, 14 साल के वनवास से अयोध्या लौटने के बाद माता सीता द्वारा दी गई अग्निपरीक्षा के बारे में एक बड़ी भ्रांति है।

अरण्य कांड, दोहा 23 के अंश स्पष्ट रूप से बताते हैं कि अग्नि परीक्षा कोई परीक्षा नहीं थी, बल्कि यह वनवास के दौरान बाहरी खतरों से माता सीता की सुरक्षा के लिए एक सुनियोजित रणनीति थी। पूर्व वनवास काल में एक ऐसा ही प्रसंग घटित हुआ था जो है कि सहमति से, माता सीता ने अग्नि में प्रवेश किया था और बाहरी दुनिया के विश्वास के लिए उनका केवल एक छाया भाग ही बचा था।

यहाँ तक कि लक्ष्मण को भी इस विचार से अनजान रखा गया था। अंश इस प्रकार हैः सुनो, मेरे प्रिय, तुम मेरे प्रति निष्ठा के पवित्र व्रत में दृढ़ रहे हो और आचरण में इतने सदाचारी रहोगी कि मैं एक सुंदर मानवीय भूमिका निभाने जा रहा हूँ। जब तक मैं राक्षसों का विनाश पूरा नहीं कर लेता, तब तक अग्नि में रहो। भगवान राम ने जैसे ही उसे सब कुछ विस्तार से बताया, उसने भगवान के चरणों की छवि अपने हृदय पर अंकित कर ली और अग्नि में प्रवेश कर गई, और भगवान के साथ केवल अपनी एक परछाई छोड़ गई हालाँकि वह बिल्कुल वैसी ही थी, वैसी ही सौम्य और कोमल स्वभाव।

लक्ष्मण को भी यह रहस्य नहीं पता था कि भगवान ने परदे के पीछे क्या किया था। " (रामचरितमानस, अरण्यकांड, दोहा- 23) भगवान राम की शानदार विजय और अयोध्या वापसी के बाद, दूसरी अग्निपरीक्षा-जिसे इस बार स्त्रीत्व और सत्य की पवित्रता सिद्ध करने की परीक्षा के रूप में देखा गया-बुलाई गई। हालाँकि इसे सार्वजनिक रूप से अग्निपरीक्षा कहा जाता है, लेकिन इसे भगवान राम की माँग के प्रभाव से उत्पन्न माँग के रूप में देखा जाता है, लेकिन वास्तव में, जनता को अरण्यकांड के दौरान पहले वाले प्रकरण के बारे में पता नहीं था, जैसा कि ऊपर वर्णित है।

जैसा कि लंकाकांड के दोहा 107 और 108 में अग्निपरीक्षा का वर्णन करते हुए कहा गया हैः सीता (यह स्मरण रहेगा) पहले अग्नि में समाहित थीं अब उन्हें वापस प्रकाश में लाने का प्रयास कर रहे थे। (रामचरितमानस, लंका कांड, चौपाई 107) "सीता ने, हालाँकि,

भगवान की आज्ञा को नमन किया-वे मन, वचन और कर्म से शुद्ध थीं-और कहा, "लक्ष्मण, इस पवित्र अनुष्ठान को करने में एक पुरोहित के रूप में मेरी सहायता करें और शीघ्र ही मेरे लिए अग्नि प्रज्वलित करें।"

जब लक्ष्मण ने सीता के ये शब्द सुने, जो (अपने प्रभु से) वियोग के कारण उत्पन्न पीड़ा से भरे हुए थे और आलोचनात्मक अंतर्दृष्टि, धर्मपरायणता और विवेक से ओतप्रोत थे, उनकी आँखों में आँसू आ गए और उन्होंने प्रार्थना में अपने हाथ जोड़ लिए; लेकिन वे भी भगवान से एक शब्द भी नहीं बोल सके। हालाँकि, श्री राम की मौन स्वीकृति को पढ़कर, लक्ष्मण दौड़े और अग्नि प्रज्वलित करने के बाद बहुत सारी लकड़ियाँ ले आए।

विदेह की पुत्री उस धधकती हुई अग्नि को देखकर हृदय से प्रसन्न हुई और बिल्कुल भी विचलित नहीं हुई। "यदि मन, वचन और कर्म से मैंने कभी भी रघुवंश के वीर के अतिरिक्त किसी और पर अपना मन नहीं लगाया है, तो यह अग्नि, जो सभी मनों की क्रियाओं को जानती है, मेरे लिए चन्दन के समान शीतल हो जाए। " रामचरितमानस, लंकाकाण्ड में "प्रभु पर ध्यान केंद्रित करते हुए, मिथिला की राजकुमारी ने लपटों में प्रवेश किया।

जैसे वे चन्दन के समान शीतल हों, और चिल्लाई "कोशल के स्वामी की जय हो, जिनके चरणों की पूजा महान भगवान शिव अत्यंत भक्ति से करते हैं!" उनका छाया-रूप और सामाजिक कलंक (रावण के यहाँ जबरन निवास करने के कारण) दोनों ही धधकती अग्नि में भस्म हो गए, लेकिन भगवान के कार्यों का रहस्य कोई नहीं जान सका। यहाँ तक कि देवता, सिद्ध और ऋषि भी हवा में देखते रह गए। अग्नि ने एक भौतिक रूप धारण किया और, वेदों और संसार में समान रूप से प्रतिष्ठित वाश्तविक श्री (सीता) का हाथ पकड़कर, उन्हें भगवान राम के पास ले गई और उन्हें प्रश्तुत किया, ठीक उसी प्रकार जैसे क्षीरसागर ने देवी इंदिरा (लक्ष्मी) को भगवान विष्णु के पास प्रश्तुत किया था।

श्री राम के बाईं ओर खड़ी होकर, वे अपने अति सुंदर सौंदर्य से ऐसे चमक रही थीं जैसे एक ताज़ा नीले कमल के पास सोने की कुमुदिनी की कली। (रामचरितमानस, लंका कांड, छंद-108) इससे पता चलता है कि अग्निपरीक्षा करने के दो कारण थे।

सर्वविदित कारण पवित्रता की परीक्षा का जन दबाव था, जो उस समय की प्रचलित सामाजिक वर्जनाओं को उजागर करता है, जबकि दूसरा कारण माता सीता को उनके मूल स्वरूप में वापस लाना था। यह अंश एक व्यक्ति में भूमिका संघर्ष के मनोविज्ञान और उसके सबसे उचित रूप में प्रयोग को दर्शाता है। यदि राजा राम की भूमिका की अनदेखी की जाती है, तो समाज को भारी नुकसान के कारण किसी प्रांत में कानून-व्यवस्था दांव पर लग सकती है और यदि पति की भूमिका की अनदेखी की जाती है, तो नैतिक अन्याय होगा।

3. भावनात्मक स्थिरता और समायोजन क्षमता भगवान राम एक ऐसे चरित्र हैं जो कठिन से कठिन समय में भी उच्च भावनात्मक स्थिरता प्रदर्शित करते हैं। यह क्षमता 1) अयोध्या के राजा के रूप में राज्याभिषेक, 2) 14 वर्ष के वनवास के आदेश, 3) युद्धभूमि में प्रिय भाई लक्ष्मण के घातक रूप से घायल होने के दौरान देखी जा सकती है।

राज्याभिषेक के दौरान, अयोध्या के राजा (राम) में कोई अहंकारी नहीं उभरता और न ही लक्ष्मण के घायल होने के दौरान राम पर कोई लाचारी या दुःख मंडराता है। वनवास के आदेश के प्रसंग को एक उदाहरण के रूप में विश्तार से उद्धृत किया गया है जहाँ भगवान राम में एक स्थिर और स्वीकार करने वाला स्वभाव पाया जाता है जो मन की शांति नहीं खोते।

हर संभावित नकारात्मक स्थिति में एक सकारात्मक विचार प्रक्रिया सक्रिय रूप से काम करती दिखाई देती है। (रामचरितमानस, अयोध्या कांड चौपाई 41) सामान्यतः तनावपूर्ण और चरम स्थिति में भावनात्मक स्थिरता विकृत हो जाती है, लेकिन भगवान राम के साथ ऐसा नहीं होता।

14 वर्ष के वनवास का आदेश मिलने पर, भगवान राम निराश नहीं हुए, बल्कि उन्होंने शर्तों को स्वीकार किया और वहाँ उपस्थित परिवार के सदस्यों को वनवास आदेश के सकारात्मक पहलुओं से अवगत कराया। आमतौर पर, कोई क्रोधित हो जाता और बहस शुरू कर देता, लेकिन यहाँ, इस घटना को बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से निपटाया गया। भगवान राम एक संपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देती है। और तालिबान के विचार के विरुद्ध है जिसमें नारी का अपमान खून खराबा होता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सत्ता, रणनीति और जाति की नई बिसात

विनोद कुमार सिंह

बिहार का यह पहला चुनाव होगा, जब लगातार बीस वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद भी बीजेपी और जेडीयू-दोनों ही अपने अब तक के सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। आप को बता दे कि सन 2003 में जदयू की स्थापना के बाद पार्टी ने 2005 में 138 सीटों पर, 2010 में 141 सीटों पर, 2015 में 101सीटों पर(राजद के साथ गठबंधन में), और 2020 में 115 सीटों पर बीजेपी के साथ चुनाव लड़ा था, लेकिन 2025 में यह संख्या घटकर करीब 84 सीटों तक सीमित रह गई है।

यानी 20 वर्षों के शासन के बाद भी नीतीश कुमार की जदयू का सीट शेयरिंग अनुपात करीब 27% घट गया है। दूसरी ओर, बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी को भी अपने सहयोगी दलों के दबाव में सीटों का त्याग करना पड़ा है।

2005 में वह 101 सीटों, 2010 में 102, 2015 में जब नीतीश उनके साथ नहीं थे तो 157 सीटों पर उतरी, 2020 में 110 सीटों पर और अब 2025 में फिर घटकर 101 सीटों पर आ गई है। ये आंकडा दिखाता है कि सत्ता में साझेदारी का अनुपात कम होने के बावजूद, बिहार की राजनीति में जाति और क्षेत्रीय समीकरण आज भी निर्णायक हैं।

बिहार की राजनीति का यह दिलचस्प पहलू है कि यहाँ राष्ट्रीय पार्टियाँ जातीय समीकरणों के आगे झुकती रही हैं। बीजेपी और जेडीयू को इस बार भी चिराग पासवान (एलजेपीरामविलास), जीतन राम मांझी(हम), उपेंद्र कुशवाहा(आरएलएम)और मुकेश सहनी (वीआईपी)जैसे छोटे लेकिन जाति- आधारित दलों से समझौता करना पड़ा है।

इन सभी दलों ने अपनी-अपनी जातियों को राजनीतिक रूप से संगठित कर, एक ऐसा वोट बैंक बना लिया है जिसमें राष्ट्रीय पार्टियाँ सेंध नहीं लगा पाई। यही कारण है कि बीजेपी और जेडीयू जैसी बड़ी पार्टियाँ इन्हें साथ रखे बिना सत्ता तक पहुँचने की कल्पना भी नहीं कर सकतीं। 1990 के दशक में लालू प्रसाद यादव ने "जाति ही पहचान है" का जो नारा दिया था, उसने बिहार की राजनीति की दिशा ही बदल दी थी। आज भी बिहार में वही जातीय गणित सत्ता की चाबी तय करता है।

बस चेहरे बदल गए हैं, लेकिन जाति का समीकरण जस का तस कायम है। 1995 के बाद से बिहार की राजनीति में जो स्थायी पैटर्न उभरकर आया है, यहाँ मुकाबला दो दलों के बीच नहीं बल्कि दो गठबंधनों के बीच होता है। 2020 के विधानसभा चुनाव के नतीजे इसका प्रमाण हैं-राजद को मिले 23.1% वोट, भाजपा को 19.5%, जदयू को 15.4%, कांग्रेस को 9.5% वोट, जबकि छोटे दलों ने मिलकर 23.9% वोट बटोरे। यह आँकड़ा बताता है कि छोटे दल भले अकेले सत्ता में न आएँ, लेकिन बड़े दलों का खेल जरूर बिगाड़ देते हैं।

वे बिखरे हुए वोटों को जोड़कर किसी गठबंधन को बढ़त दिला सकते हैं। यही वजह है कि बिहार की राजनीति में छोटे क्षेत्रीय दल "किंगमेकर" बन चुके हैं। छोटे दल, बड़ी भूमिका-जाति के गणित से सत्ता की रचना चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) दलितों और विशेषकर पासवान समुदाय की राजनीतिक आवाज़ है। जीतन राम मांझी की 'हम'(हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा)मुसहर और अनुसूचित जातियों के बीच प्रभाव रखती है। उपेंद्र कुशवाहा की 'आरएलएम '(राष्ट्रीय लोक जनशक्तिमोर्चा) कोइरी- कुशवाहा वर्ग की आवाज़ है, तो मुकेश सहनी की 'वीआईपी' निषाद समाज का प्रतिनिधित्व करती है।

इन चारों नेताओं ने अपनी जातियों को राजनीतिक चेतना दी, और यही चेतना अब गठबंधन की अनिवार्यता बन गई है। बीजेपी और जेडीयू के रणनीतिकारों को यह पता है कि बिना इन जातीय दलों के, वोटों का अंकगणित जीत में तब्दील नहीं हो सकता।

बीजेपी ने इस बार बहुत खामोशी और चालाकी से बिहार में अपनी राजनीतिक बिसात बिछाई है। उसने नीतीश कुमार को छह इंच छोटा कर दिया -यानी जदयू की सीटें घटाईं, और अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया कि वे दो- तीन सीटों से ज़्यादा न जीत पाएं, ताकि बाद में उनके साथ समझौता आसान हो। बीजेपी ने संजय झा जैसे नेताओं के ज़रिए जदयू में सेंध भी लगा दी है। अब स्थिति यह है कि उम्मीदवार चयन में भी बीजेपी का अंतिम फैसला होगा। यानी चुनाव के बाद अगर जेडीयू सत्ता में रहती भी है, तो उसका नियंत्रण नीतीश कुमार के नहीं, बल्कि बीजेपी के हाथों में होगा। नीतीश के पास तब दल बदलने की भी हैसियत नहीं बचेगी, क्योंकि उनके अधिकांश सांसद पहले से ही बीजेपी के संपर्क में बताए जाते हैं। यहाँ तक कि केंद्र सरकार पर भी नीतीश का कोई दबाव नहीं रह जाएगा। मोदी के हनुमान या नीतीश के शत्रु बीजेपी ने इस चुनाव में चिराग पासवान को 29 सीटें दी हैं राजनीतिक सूत्रों के अनुसार इनमें से 8 से 10 उम्मीदवार बीजेपी के अपने होंगे, जो एलजेपी के चुनाव- चिह्न पर लड़ेंगे।

यानी चिराग के कंधे पर बैठकर बीजेपी अपनी चाल चल रही है। चुनाव के बाद वही एलजेपी के टिकट वाले विधायक बीजेपी के पाले में जा सकते हैं, जिससे नीतीश कुमार की स्थिति कमजोर और बीजेपी की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी मजबूत हो जाएगी। यह ठीक वैसा ही परिदृश्य होगा जैसा महाराष्ट्र में शिंदे-बालासाहेब गुट के उभार के समय हुआ था। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अगर बीजेपी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला तो वह एलजेपी और हम जैसी पार्टियों के सहारे सत्ता का चेहरा बदल सकती है, और नीतीश कुमार को 'शिंदे' जैसा हाशिये पर पहुँचा सकती है।

नीतीश की राजनीतिक आत्मघात या मजबूरी का गठबंधन -नीतीश कुमार के राजनीतिक यात्रा में यू-टर्न लेना नई बात नहीं, लेकिन 2025 का चुनाव उनके करियर का शायद सबसे जोखिम भरा मोड़ है। उन्होंने सत्ता में बने रहने के लिए बार-बार गठबंधन बदले, लेकिन इस बार गठबंधन ने उन्हें बदल दिया है। बीजेपी के साथ रहते हुए अब वे मुख्यमंत्री पद के प्रतीक मात्र बनते जा रहे हैं।

पार्टी की सीटें घट गईं, संगठन में मतभेद बढ़े और उनके करीबी नेता तक बीजेपी के संपर्क में बताए जा रहे हैं। नीतीश अब उस स्थिति में हैं कि अगर वे असंतुष्ट भी हों, तो सुशासन बाबु के हाथ में कुछ नही लगेगें। वे ना तोगठबंधन तोड़ सकते हैं, ना ही अपना दबाव बना सकते हैं। देश की राजनीति अब पूरी तरह मोदी के नाम और चेहरे पर केंद्रित हो चुकी है, लेकिन बिहार अब भी जातीय पहचान की राजनीति से मुक्त नहीं हुआ है।

बीजेपी काराष्ट्रवाद और"एक रंग" वाली राजनीति, बिहार के बहुरंगी जातिगत समीकरणों से बार-बार टकराती है। मोदी-शाह की रणनीति यह है कि बिहार को धीरे- धीरे जाति की जकड़ से निकालकर राष्ट्रीय एजेंडे में लाया जाए, लेकिन राजनीतिक व्यवहार में यह अभी संभव नहीं दिखता। क्योंकि बिहार का वोटर विकास के साथ-साथ जाति और मान-सम्मान के सवाल को भी मतदान का आधार बनाता है। एकता में दरारें और नेतृत्व का संकट-अगर हम विपक्षी खेमे की बात करें तो महागठबंधन में भी एकता का संकट कम नहीं।

राजद, कांग्रेस, वामदल और अन्य छोटे दलों के बीच सीट बंटवारे और नेतृत्व पर मतभेद गहराते जा रहे हैं। तेजस्वी यादव के नेतृत्व को लेकर कांग्रेस और वामपंथी दलों में हिचक है, जबकि कांग्रेस खुद संगठनात्मक रूप से कमजोर है। हालाँकि महा गठबंधन का वोटबैंक अब भी लगभग 45 प्रतिशत के आसपास माना जाता है, लेकिन अगर सीटों पर तालमेल बिगड़ा तो इसका सीधा लाभ एनडीए को मिलेगा। जाति जितनी मजबूत, सत्ता में उतनी धमक मजबूत-बिहार की राजनीति का यह निष्कर्ष बार-बार दोहराया जा सकता है कि"जाति जितनी मजबूत, सत्ता में उतनी धमक मजबूत। "आज के बिहार में कोई भी पार्टी जातिगत समीकरणों की उपेक्षा कर चुनाव नहीं जीत सकती। बीजेपी के पास मोदी का चेहरा है, राजद के पास लालू-तेजस्वी की सामाजिक समीकरण की पूँजी, और जदयू के पास अब भी 'सुशासन बाबू' का चेहरा, लेकिन निर्णायक शक्ति उन्हीं छोटे दलों के पास है जो जातियों को संगठित वोट बैंक में बदल चुके हैं।

संक्षेप में बिहार का नया राजनीतिक युग2025 का बिहार विधानसभा चुनाव केवल सत्ता का नहीं, बल्कि सत्ता की साझेदारी और नियंत्रण का चुनाव है। यह चुनाव तय करेगा कि क्या नीतीश कुमार अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बचा पाएंगे, या फिर बीजेपी अपनी चालों से बिहार की सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लेगी। बिहार का यह चुनाव यह भी दिखाएगा कि क्या मोदी का राष्ट्रवाद जातीय राजनीति को मात दे पाएगा, या फिर बिहार एक बार फिर यह साबित करेगा कि यहाँ सत्ता की चाबी जाति के पास ही रहती है।

बिहार की राजनीति का यह संदेश साफ़ है कि यहाँ के छोटे दल भले आकार में छोटे हों, पर प्रभाव में बड़े हैं। और इस बार, बिहार का मतदाता तय करेगा कि सत्ता की डोर दिल्ली की मंशा से चलेगी या पटना की मिट्टी से ये अभी अतीत के गर्भ में है, जिसकी असली चाबी मतदाताओं के पास है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार है)

ट्रम्प की अनिश्चितता का ज़हरीला मिश्रण बना रहा सोना को एक सुरक्षित पनाहगाह

के. रवींद्रन

गिरता तेल, बढ़ता सोना, अस्थिर डॉलर और व्यापार शत्रुता-एक खूनी मिश्रण, अनिश्चितता का एक जहरीला मिश्रण पैदा कर रहा है जो नीति निर्माताओं के पास बहुत कम आसान विकल्प छोड़ता है। निवेशक लगभग हर दिन अपने पोर्टफोलियो को पुनर्संयोजित कर रहे हैं, तथा यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं कि अगला नीतिगत झटका किस ओर जाएगा। औसत उपभोक्ता के लिए, इसके निहितार्थ मिश्रित हैं।

पिछले कई हफ़्तों से जारी गिरावट के बाद मंगलवार को खनिज तेल की कीमतें पांच महीनों के अपने सबसे निचले श्तर पर आ गईं। बेंचमार्क ब्रेंट और वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कूरड वायदा, दोनों में काफ़ी गिरावट आई है, जिससे साल की पिछली बढ़त काफ़ी कम हो गई है। इसके ठीक विपरीत, सोना अपने सर्वकालिक उच्च श्तर पर पहुंच गया है, और आर्थिक अनिश्चितता के हर गुज़रते दिन के साथ इसकी चमक और भी निखरती जा रही है।

एक ही साथ तेल में गिरावट और सोने में उछाल एक बेचैन वैश्विक माहौल को दर्शाता है-और, हाल के कई अन्य आर्थिक झटकों की तरह, दोनों ही घटनाक्रमों का डोनाल्ड ट्रम्प से कुछ न कुछ लेना-देना प्रतीत होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति अपने व्यापार और राजकोषीय घोषणाओं के ज़रिए मौजूदा तनाव को काफ़ी हद तक बढ़ा रहे हैं। चीनी वश्तुओं पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने के उनके फैसले ने उस व्यापार युद्ध को फिर से भड़का दिया है जिसके बारे में बाजारों को उम्मीद थी कि यह हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा।

इस समय को इतना विस्फोटक बनाने वाली बात सिफ़र् नीति ही नहीं, बल्कि इसका समय भी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी महामारी के बाद की मंदी से जूझ रही है, जिसमें महाद्वीपों में असमान विकास, अस्थिर उपभोक्ता मांग और बढ़ती भू-राजनीतिक असुरक्षाएं हैं।

ऊर्जा व्यापारी, जो पहले से ही मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन को लेकर चिंतित हैं, अब कमजोर वैश्विक व्यापार के खतरे का सामना कर रहे हैं।

इसका नतीजा तेल वायदा में बिकवाली के रूप में सामने आया है, और बाजार यह दांव लगा रहा है कि अगर अमेरिका और चीन अपने टैरिफ युद्ध को फिर से शुरू करते हैं, तो कच्चे तेल की खपत की रीढ़, औद्योगिक गतिविधि और धीमी हो जाएगी। अमेरिका में बढ़ते तेल भंडार की खबरों और ओपेक + सदस्यों द्वारा चुपचाप अपने उत्पादन कोटा से अधिक उत्पादन करने के संकेतों ने अतिआपूर्ति की भावना को और गहरा कर दिया है। जब आपूर्ति बढ़ती है और मांग कम होती है, तो तेल का गिरना लगभग अपरिहार्य हो जाता है।

लेकिन कहानी कच्चे तेल के पतन के साथ खत्म नहीं होती। दरअसल, यह चमकदार अक्षरों में लिखी जा रही एक और कहानी- सोने का तेज़ी से बढ़ता उछाल- का प्रतिबिम्ब है। जो निवेशक कभी ऊर्जा या शेयरों की स्थिरता में शरण लेते थे, वे अब उस परिसंपत्ति वर्ग में अपना दांव लगा रहे हैं जो भय और अनिश्चितता पर फलता-फूलता है। सोने का सर्वकालिक उच्च श्तर पारंपरिक 'सुरक्षित-आश्रय' व्यवहार से प्रेरित हैः जब दुनिया अस्थिर दिखती है, तो पैसा उस एकमात्र वश्तु में प्रवाहित होता है जिसने कभी डिफ़ॉल्ट नहीं किया, या यूं कहें-धोखा नहीं दिया। जैसे-जैसे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार घर्षण बढ़ता जा रहा है, और केंद्रीय बैंकर अधिक आक्रामक मौद्रिक ढील के संकेत दे रहे हैं, सोने का आकर्षण अप्रतिरोध्य होता जा रहा है। तेल के गड्ढों में हर कंपन सोने की कीमत में कु छ और डॉलर जोड़ देता है।

ट्रम्प कारक भी है। उनके मुखर व्यापार बयानबाजी की वापसी ने उन बाजारों को हिला दिया है जो अपेक्षाकृत शांत थे। जब उन्होंने सभी चीनी आयातों पर 100फीसदी टैरिफ लगाने की अपनी योजना की घोषणा की, तो यह केवल एक नीतिगत खतरा नहीं था; यह एक राजनीतिक संकेत था। ट्रंप का संदेश उनके घरेलू समर्थकों के एक वर्ग को रास आ रहा है, जो मानते हैं कि चीन ने अमेरिकी उद्योग को खोखला कर दिया है।

लेकिन यह वैश्विक बाजारों को बेचैन कर रहा है, जिन्हें 2018-19 में वाशिंगटन और बीजिंग के बीच हुए पिछले व्यापार युद्ध की याद है, वह दौर जब वैश्विक विनिर्माण क्षेत्र में मंदी आई थी, वश्तुओं की कीमतों में गिरावट आई थी, और निवेशकों का विश्वास कम हुआ था। इस बार फर्क यह है कि दुनिया ज़्यादा नाज़ुक है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति हाल ही में कम हुई है, ब्याज दरें ऊंची बनी हुई हैं, और जोखिम उठाने की क्षमता कम है।

ट्रंप के टैरिफ़ हमले ने पहले ही बीजिंग की प्रतिक्रियाएं भड़का दी हैं, जिसने जवाबी उपायों के संकेत दिए हैं। यह खतरा अकेले ही वैश्विक निवेशकों को सुरक्षित समझी जाने वाली संपत्तियों की ओर धकेलने के लिए पर्याप्त है। वही व्यापारी जो तेल वायदा बेच रहे हैं, वे सोना खरीद रहे हैं। यह विपरीत संबंध नया नहीं है, लेकिन यह शायद ही कभी इतना नाटकीय रहा हो जितना अभी है। जब वैश्विक चिंता बढ़ती है तो सोना और तेल अक्सर विपरीत दिशाओं में चलते हैं-एक औद्योगिक आशावाद का बैरोमीटर होता है, दूसरा अराजकता के खिलाफ बचाव का। यह तथ्य कि दोनों एक ही राजनीतिक आवेग से प्रभावित हो रहे हैं, आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था की परस्पर संबद्ध प्रकृति को रेखांकित करता है।

सुर्खियों के पीछे, अमेरिकी फ़ेडरल रिज़र्व इस उभरते हुए नाटक में एक महत्वपूर्ण, भले ही कम करके आंका गया हो, भूमिका निभा रहा है। आगे ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदों ने सोने की तेज़ी को और बढ़ावा दिया है। कम ब्याज दरें सोने जैसी गैर-उपज वाली संपत्तियों को और अधिक आकर्षक बनाती हैं, क्योंकि उन्हें धारण करने के अवसर की लागत कम हो जाती है।

अमेरिकी विकास में मंदी और रोज़गार के कम होते आंकड़ों के बीच, फ़ेडरल रिज़र्व के नरम रुख़ के संकेतों ने निवेशकों को यह विश्वास दिलाया है कि और अधिक मौद्रिक ढील आने वाली है। ट्रम्प लंबे समय से इस तरह के रुख़ के पक्षधर रहे हैं-उन्होंने अपने इस विश्वास को कभी नहीं छिपाया कि सश्ता पैसा बाज़ारों को गति देता है और विकास को स्थिर रखता है। विडंबना यह है कि जहां उनकी व्यापार नीतियां दहशत फैला रही हैं, वहीं ब्याज दरों में कटौती के लिए फ़ेडरल रिज़र्व पर उनका अप्रत्यक्ष दबाव सोने को और अधिक आकर्षक बना रहा है। यह एक अजीबोगरीब सहजीवन हैः ट्रम्प के टैरिफ़ का डर सोने की मांग को बढ़ाता है, जबकि ट्रम्प के पसंदीदा कम ब्याज दर वाले माहौल की उम्मीद इसे बनाए रखती है।

इस बीच, तेल खुद को भू-राजनीति और वृहद आर्थिक परिदृश्य की उलझन में फंसा हुआ पा रहा है। एक ओर, ओपेक और उसके सहयोगियों ने कीमतों को सहारा देने के लिए उत्पादन में कटौती करने की कोशिश की है। दूसरी ओर, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका में, गैर-ओपेक उत्पादकों के उदय ने इन प्रयासों को कमजोर कर दिया है।

शेल उद्योग एक निर्णायक खिलाड़ी बन गया है, जो कीमतों के एक निश्चित सीमा से ऊपर बढ़ने पर बाजार में बाढ़ ला देता है। इसके साथ ही, व्यापार व्यवधानों के कारण वैश्विक मांग में कमी की धारणा को जोड़ दें, तो कच्चा तेल अपनी ही सफलता का शिकार दिखने लगता है।

ट्रंप का अमेरिका-प्रथम दृष्टिकोण, जो घरेलू ऊर्जा स्वतंत्रता और मतदाताओं के लिए सश्ते गैसोलीन को प्राथमिकता देता है, समस्या को और बढ़ा देता है। उनका प्रशासन जितना अधिक उच्च उत्पादन और घरेलू श्तर पर कम कीमतों की वकालत करता है, वैश्विक तेल के लिए संतुलन बनाना उतना ही कठिन होता जाता है।

इन प्रवृत्तियों का अभिसरण- गिरता तेल, बढ़ता सोना, अस्थिर डॉलर और व्यापार शत्रुता-एक खूनी मिश्रण, अनिश्चितता का एक जहरीला मिश्रण पैदा कर रहा है जो नीति निर्माताओं के पास बहुत कम आसान विकल्प छोड़ता है।

निवेशक लगभग हर दिन अपने पोर्टफोलियो को पुनर्संयोजित कर रहे हैं, तथा यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं कि अगला नीतिगत झटका किस ओर जाएगा।

औसत उपभोक्ता के लिए, इसके निहितार्थ मिश्रित हैं। सश्ता तेल ईंधन की लागत कम कर सकता है, लेकिन लगातार अस्थिरता व्यापक आर्थिक विश्वास को कमज़ोर कर सकती है। सोने की बढ़ती कीमत, निवेशकों के लिए उत्साहजनक होने के साथ-साथ इस बात का संकेत भी है कि डर चरम पर है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

400 मीटर में हिमांशी और विश्वजीत सबसे तेज दौड़े

पुरवा , एजेंसी। प्राथमिक विद्यालयों की न्याय पंचायत स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया है। गुरुवार को पुरवा ब्लॉक में आयोजित प्रतियोगिता में 13 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। 400 मीटर दौड़ में विश्वजीत और हिमांशी ने बाजी मारी।

क्षेत्र के बनिगांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। व्यायाम शिक्षक प्रदीप कुमार व खेल अनुदेशक आलोक कुमार की देखरेख में प्रतियोगिता में बच्चों ने अपना दमखम दिखाया। 50 मीटर दौड में नीरज अव्वल रहें। वहीं 100 मीटर आदित्य ने बाजी मारी। इसके अलावा 200 मीटर में नैतिक तिवारी और 400 मीटर में विश्वजीत सबसे तेज दौड़े। बालिका वर्ग 50 मीटर दौड़ में शिवानी अव्वल रहीं। 100 मीटर में सौम्या गुप्ता और 200 मीटर में आयुषी व 400 मीटर दौड़ में हिमांशी अव्वल रहीं। इस दौरान अखिलेश चंद्र , सुनील कुमार पाल , वीरेंद्र कुमार,शशिकांत आदि मौजूद रहे।

दौड़ में पवन, सुशांत और गौरव ने बाजी मारी

बीघापुर। क्षेत्र के न्याय पंचायत ख्वाजगीपुर में न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ एआरपी प्रशांत बाजपेई ने किया। दौड़ में पवन, सुशांत और गौरव ने बाजी मारी। वहीं प्राथमिक विद्यालय करोवन की टीम ने कब्बडी व खो-खो में जीत हासिल की। संचालन कुमार अभिषेक,अली मेहंदी व संजय पटेल ने किया। इस दौरान शिक्षक संकुल मनोज द्विवेदी, खेल प्रभारी स्वर्णपाल सिंह,अशोक रावत, शहजाद हुसैन,शांभवी शुक्ला, मीना बाजपेई आदि मौजूद रहीं।

सहकर्मी ने ब्लैकमेल कर युवती का किया यौन शोषण, अश्लील फोटो वायरल करने की दी धमकी

बरेली , एजेंसी। बरेली में युवती को प्रेमजाल में फंसाकर युवक ने यौन शोषण किया है। युवती का आरोप है कि युवक ने आत्महत्या कर उसके परिजनों को फंसाने की धमकी दी। इससे वह उसे ब्लैकमेल करता रहा। पीड़ित छात्रा की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी रोहित और धमकाने के लिए उसके भाई के खिलाफ संबंधित आरोपों में मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक पीलीभीत जिले की रहने वाली युवती ने फरीदपुर थाने में तहरीर देकर बताया कि वह बरेली के एक कॉलेज में एमबीए की पढ़ाई कर रही थी। वहीं पर उसकी पहचान रोहित से हो गई। बाद में वह दोनों फरीदपुर की कंपनी में नौकरी करने लगे। रोहित फरीदपुर में कंपनी की तरफ से मिले कमरे में रह रहा था। वह वहीं उसके ऊपर वाले कमरे में रह रही थी।

आरोपी ने कहा कि वह उसे प्यार करता है। उसे बातों में फंसा लिया। रोहित ने आत्महत्या करने की धमकी दी। साथ ही उसके भाई ने उसे और उसके परिवार को फंसाने की धमकी दी। इस बीच आरोपी युवक ने उसके साथ कई शारीरिक संबंध बना लिए। उसने उसके फोटो खींच लिए। उसने छात्रा व उसके घरवालों को फोन कर फोटो वायरल करने की धमकी दी।

आरोपी ने तुड़वा दी थी शादी : पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसकी शादी पहले भी तुड़वा चुका है। कुछ दिनों पहले उसने उसके ऊपर दबाव डालकर शादी कर ली थी, लेकिन वह उसके साथ रहना नहीं चाहती। अब वह बार-बार फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। इधर, फरीदपुर इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि युवती की तहरीर पर आरोपी व उसके भाई के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

मोबाइल लूटने वाले दो युवक गिरफ्तार

अमेठी सिटी , एजेंसी। मोबाइल लूट की वारदातों में शामिल जायस के दो युवकों को गौरीगंज पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से दो मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई, जिसका इस्तेमाल वारदातों में किया गया था। पुलिस ने दोनों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

इंस्पेक्टर श्याम नारायण पांडेय ने बताया कि सूचना मिली कि नवोदय विद्यालय के पीछे नहर पटरी के पास दो युवक संदिग्ध हालात में मोटरसाइकिल के साथ खड़े हैं। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक ने अपना नाम अनिल गुप्ता निवासी छोटा कंचनावा वार्ड जायस और दूसरे ने सैफ निवासी जेर मस्जिद वार्ड जायस बताया। तलाशी में उनके पास से दो मोबाइल बरामद हुए, जिन्हें उन्होंने नौ और 15 अक्तूबर को सैठा रोड पर राहगीरों से लूटा था। पूछताछ में दोनों ने आर्थिक तंगी के कारण मोबाइल लूटने की बात स्वीकार की। बताया कि दोनों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

दिवाली पर सीएम योगी का बड़ा उपहार, प्रदेश के 28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत वृद्धि

लखनऊ, एजेंसी। दीपावली पर राज्य कर्मचारियों को बोनस के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ा तोहफा दिया है। उनके महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 3 प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा की है।

अब प्रदेश के सभी पात्र 16.35 लाख कर्मचारियों और 11.52 लाख पेंशनरों को 55 प्रतिशत के स्थान पर 58 प्रतिशत की दर से भत्ता मिलेगा। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई 2025 से प्रभावी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है। महंगाई के प्रभाव से राहत पहुंचाना और

जीवनस्तर सुधारना हमारी प्राथमिकता है।

इस निर्णय से राज्य सरकार पर मार्च 2026 तक 1960 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता और राहत का भुगतान अक्टूबर से नकद रूप में किया जाए। इस व्यवस्था के तहत नवंबर 2025 में 795 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्ययभार आएगा, जबकि ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) से आच्छादित कर्मचारियों के जीपीएफ में 185 करोड़ जमा होंगे।

सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जुलाई से सितंबर 2025 के एरियर भुगतान पर 550 करोड़ से अधिक का भार पड़ेगा। दिसंबर 2025 से प्रत्येक माह 245 करोड़ का अतिरिक्त व्ययभार राज्य सरकार वहन करेगी।

महंगाई भत्ते की यह बढ़ोतरी न केवल सरकारी विभागों के नियमित कर्मचारियों को लाभान्वित करेगी, बल्कि सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों, प्राविधिक शिक्षण संस्थानों, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारियों, कार्यप्रभारित कर्मचारियों और यूजीसी वेतनमान वाले कार्मिकों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा। यह कदम न केवल कर्मचारियों की क्रयशक्ति बढ़ाएगा, बल्कि त्योहारों के सीजन में प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा।

दीपावली गिफ्ट में सूखे मेवों की जगह बर्तन, बिस्कुट और होम डेकोर का दबदबा

मेरठ , एजेंसी। मेरठ में दीपावली का बाजार गुलजार है, लेकिन महंगाई ने गिफ्टिंग की परंपरा पर असर डाला है। पिछले साल की तुलना में इस साल ड्राई फ्रूट्स के दाम डेढ़ गुना तक बढ़ गए हैं। किशमिश 560 रुपये प्रति किलो, काजू 960 रुपये, बादाम 840 रुपये और चिलगोजे 5 हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। इसके कारण गिफ्ट बॉक्स की कीमत 1500 से 2500 रुपये तक हो गई।

लोगों ने सूखे मेवे की बजाय बिस्कुट, नमकीन, टॉफी, जूस और अन्य होम डेकोर आइटम जैसे बैड शीट, वाटर बॉटल सेट, कप सेट और क्रॉकरी सेट को गिफ्ट पैक में शामिल करना शुरू कर दिया है। इनकी कीमत 300 रुपये से 1500 रुपये तक है। व्यापारी विनेश जैन का कहना है कि महंगाई के कारण सूखे मेवे की कीमतें बहुत बढ़ गई हैं, इसलिए वे भी अन्य गिफ्ट पैक खरीद रहे हैं। वहीं अनिल पुंडीर बताते हैं कि लोग अब हलवाई से मिठाई बनवाकर बजट में फिट गिफ्ट पैक तैयार करवा रहे हैं। संयुक्त व्यापार संघ के उपाध्यक्ष तरुण गुप्ता ने कहा कि महंगाई से हर ग्राहक प्रभावित है, और इस बार सूखे मेवे के गिफ्ट पैक की तुलना में अन्य विकल्पों की बिक्री ज्यादा हो रही है। इस तरह, इस दीपावली पर बाजार में सूखे मेवे से लेकर होम डेकोर तक के गिफ्ट पैक में बदलाव साफ नजर आ रहा है।

काशी में गंगा के जलस्तर में पांच सेमी की कमी, छतों पर ही हो रही आरती

वाराणसी, एजेंसी। गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण घाटों पर होने वाली गंगा आरती छतों पर ही हो रही है। दो दिनों तक बढ़ोतरी के बाद बृहस्पतिवार को गंगा के जलस्तर में कमी दर्ज की गई है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार रात आठ बजे गंगा का जलस्तर 64.11 मीटर था। जलस्तर में उतार चढ़ाव के कारण घाट पर दुश्वारियां बढ़ गई हैं। दशाश्वमेध घाट पर होने वाली गंगा आरती अभी तक छतों पर ही हो रही है। बृहस्पतिवार की सुबह गंगा का जलस्तर 64.16 मीटर था और जलस्तर में ठहराव था। दोपहर के बाद गंगा के जलस्तर में गिरावट शुरू हुई और पांच सेंटीमीटर की कमी आई।

गंगा सेवा निधि की ओर से होने वाली गंगा आरती जलस्तर बढ़ने के बाद से ही छत पर हो रही है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार बुधवार को गंगा का जलस्तर 64.19 मीटर रिकार्ड किया गया था और मंगलवार की जलस्तर 64.15 मीटर था। गंगा का जलस्तर स्थिर होने के बाद घाटों पर कीचड़ व गाद से पर्यटकों व श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है।

बाबा महाश्मशाननाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष चैनू प्रसाद गुप्ता ने बताया कि दीपावली की रात्रि में बाबा महाश्मशाननाथ मंदिर में विशेष पूजा होती है। दूर-दूर से तांत्रिक और श्रद्धालु यहां पहुंचकर पूरी रात पूजा और तंत्र क्रियाएं करते हैं।

अंबानी परिवार ने मां अन्नपूर्णेश्वरी को भेजा उपहार, साड़ी और आभूषण समेत श्रृंगार सामग्री शामिल

वाराणसी, एजेंसी। मां अन्नपूर्णेश्वरी के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन धनत्रयोदशी से शुरू हो जाएंगी। इसके लिए तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इसी बीच अंबानी परिवार ने मां अन्नपूर्णेश्वरी को श्रृंगार सामग्री भेजा है। ये श्रृंगार सामग्री धनतेरस के अवसर पर मां को चढ़ाई जाएगी।

अंबानी परिवार की ओर से भेजी गई सामग्री में दीपावली ग्रीटिंग के साथ साड़ी समेत आभूषण शामिल है। इस उपहार पर मुकेश अंबानी समेत दोनों पुत्रों,पुत्रवधुओं और बच्चों के नाम अंकित हैं।

पांच दिन होंगे मां अन्नपूर्णा के दर्शन: धनतेरस पर काशीपुराधीश्वरी मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन होंगे। इस बार भी श्रद्धालुओं को पांच दिनों तक माता के स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन मिलेंगे। अन्नपूर्णा मंदिर में मां के स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन के लिए 17 अक्तूबर से ही श्रद्धालु कतारबद्ध हो जाएंगे। 18 अक्तूबर को कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे और 22 अक्तूबर को शयन आरती के बाद अगले साल के लिए बंद हो जाएंगे।

नवयुवक किसानों ने खेती को व्यवसाय की भांति अपनाया: कृषि राज्य मंत्री

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ एवं आगरा की मण्डल शतरीय रबी उत्पादकता गोष्ठी-2025 का आयोजन नुमाइश मैदान स्थित कोहिनूर मंच पर भव्य रूप से किया गया। कार्यक्रम में अलीगढ़ एवं आगरा मण्डल के सैकड़ों कृषकों ने भाग लिया। किसानों द्वारा प्रश्तुत सुझावों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने हर संभव निराकरण का आश्वासन दिया।

गोष्ठी के मुख्य अतिथि कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने कहा कि रबी उत्पादकता गोष्ठी का उद्देश्य किसानों की जमीनी समस्याओं को सरकार तक पहुँचाना है ताकि उनके समाधान के लिए ठोस कार्ययोजना बनाई जा सके।

उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि ही देश की समृद्धि है। मुख्यमंत्रीयोगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में किसानों की आय दोगुनी करने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। औलख ने कहा कि पारंपरिक खेती के साथ किसानों को सहफसली खेती, पशुपालन और प्राकृतिक कृषि की ओर भी ध्यान देना चाहिए। "खेती है तो पशु हैं, और पशु हैं तो खेती है," इस सिद्धांत पर कार्य करें। सरकार द्वारा किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों पर सब्सिडी दी जा रही है और फसल बीमा योजना के माध्यम से नुकसान की भरपाई सुनिश्चित की जा रही है। मंत्री ने कहा कि गोष्ठी का उद्देश्य नई तकनीक और नवाचार उपलब्ध कराना है। भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। पहले 4 चार मण्डलों की गोष्ठियों होती थीं। किसानों से अधिकाधिक सुझाव लेने के लिए लिए दो मण्डल की संयुक्त गोष्ठी की जा रही हैं। मण्डलायुक्त आगरा शैलेन्द्र कुमार सिंह ने आगरा मण्डल की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि मण्डल में गेंहू के आच्छादन का लक्ष्य 516336 हैक्टेयर है, वहीं तिलहनी फसलों के लिए 201205 और दलहनी फसलों के लिए 5215 हैक्टेयर रखा गया है। उन्होंने बताया कि आगरा प्रदेश में सर्वाधिक आलू उत्पादन वाला मण्डल है, यहां 166373 हैक्टेयर में आलू बोया जाता है। उन्होंने प्रमाणित आलू बीज की उपलब्धता बढ़ाने के लिए बीज उत्पादन के क्लस्टर विकसित करने एवं अनुदान दिए जाने की बात रखी। अपने उद्बोधन में उन्होंने आलू निर्यात की संभावनाओं एवं सुझाव पर भी विचार व्यक्त किए। मण्डलायुक्त अलीगढ़ संगीता सिंह ने अलीगढ़ मण्डल की प्रगति के बारे में बताया कि रबी में फसलों का कुल आच्छादन 700512 हैक्टेयर है, जिसमें मुख्य फसल गेंहू 457219 हैक्टेयर और सरसों 195791 हैक्टेयर के साथ 47502 हैक्टेयर में अन्य फसलें बोई जाती हैं। मण्डल की समस्याओं के बारे में उन्होंने बताया कि मध्य गंगा नहर निर्माण खण्ड 12 जोकि केवल खरीफ मौसम में संचालित होती है इसे रबी फसलों की सिंचाई के लिए भी संचालित की जाए। आलू के बीज की मांग के चलते अलीगढ़ एवं हाथरस में आलू के टिशु कल्चर से बीज बनाने की ईकाई की स्थापना उचित होगी।

उन्होंने चिकोरी को मण्डी शुल्क से मुक्त किए जाने, फसलों को सुरक्षित करने के लिए इलैक्ट्रोनिक तार फेंसिंग पर अनुदान दिए जाने, जलेसर एवं सकीट में खारे पानी की समस्या को दूर करने के लिए नहरों का विकास और मण्डल में संयुक्त निदेशक, उप कृषि निदेशक भूमि संरक्षण, उप कृषि निदेशक शोध एवं हाथरस व कासगंज में उप कृषि निदेशक के कार्यालय भवनों की आवश्यकता के साथ ही अन्य रिक्त पदों के सापेक्ष अधिकारियों की तैनाती किए जाने की भी आवश्यकता बताई।

इससे पूर्व मंत्री, प्रमुख सचिव, निदेशक एवं मण्डलायुक्त द्वारा कृषि प्रदर्शनी स्टॉल का फीता काटकर शुभारंभ करते हुए अवलोकन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा अतिथियों का स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रतीक चिन्ह भेंट किए गए।

इस अवसर पर मण्डल के सभी जिलों के सीडीओ, संयुक्त कृषि निदेशक श्रवण कुमार, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, जिला भूमि संरक्षण अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक, संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नन्हीं जान ने कितना संघर्ष किया होगा...बच्ची के कातिलों को फांसी की सजा, कोर्ट ने लिखीं ये पंक्तियां

आगरा , एजेंसी। आगरा में साढ़े पांच साल की बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म और फिर बेरहमी से हत्या के दो दोषियों को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा दोषियों ने नन्ही अबोध बालिका के विरुद्ध सह अभियुक्त के साथ हवस पूर्ति करते हुए जघन्य घटना को अंजाम दिया है।

विशेष न्यायाधीश ने अपने आदेश में कहा कि प्रकरण में अत्यंत गंभीर और संवेदनशील तथ्य यह है कि अभियुक्त अमित वादी का रिश्तेदार था। पीड़िता अभियुक्त की पुत्री के रूप में थी। वह विश्वास के कारण ही अभियुक्त अमित के साथ गई होगी। परंतु अभियुक्त ने संबंधों की मर्यादा को लांघते हुए पीड़िता के विश्वास को तार-तार किया। नन्ही अबोध बालिका के विरुद्ध सह अभियुक्त के साथ हवस पूर्ति करते हुए जघन्य घटना को अंजाम दिया। इस नन्ही जान को उसके माता-पिता ने कभी कोई सुई भी न चुभने दी होगी, उसने स्वयं का जीवन बचाने के लिए कितना संघर्ष किया होगा। अदालत ने पंक्तियां भी लिखीं।

चिकित्सा क्षेत्र में लगातार नये कीर्तिमान हांसिल कर रहा है मथुरा का के.डी मेडिकल कॉलेज

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

मरीज का जीवन और धन बचाने के उद्देश्य से शिक्षाविद रामकिशोर अग्रवाल द्वारा सन् 2014 में रोपा गया पौधा के.डी. मेडीकल कॉलेज-हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर आज वट वृक्ष बनने की ओर अग्रसर है। यह संस्थान इस समय दो नंबर पर काबिज है।

संस्थान की लगातार बढती उपलब्धियों को देखते हुए सरकर ने कॉलेज में एम.बी.बी.एस कोटा की सीटो को बढाकर अब 250 कर दिया है। इस आशय की जानकारी देते हुए संस्थान के चैयरमैन मनोज अग्रवाल ने बताया कि हॉस्पीटल में दी जाने वाली सुविधा और सहुलियतों के साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं से प्रभावित होकर बृजवासियों के साथ ही समीपवर्ती जनपदों से भी भारी संख्या में मरीजों की आमद हो रही है।

उन्होंने बताया कि हॉस्पीटल में प्रतिदिन लगभग 2000 से अधिक मरीज ओ.पी.डी. में आते है और 200 मरीजों को भर्ती किया जाता है। बताया कि हमारे हॉस्पीटल में ओ.पी.डी. निःशुल्क है और भर्ती होने पर गरीब मरीजों के लिए कोई बैड चार्ज नहीं है, ज्यादातर जांचे भी निःशुल्क है।

संस्थान में मिलने वाली सुविधाओं के साथ ही सरकार द्वारा कॉलेज में एम.बी.बी.एस कोटा बढाने की बावत श्री अग्रवाल ने बताया कि सन् 2021 में 24 तों सन् 2022 में 55 सीटों की बावत अब यह कोटा 250 कर दिया है साथ ही उन्होंने कहा कि हॉस्पीटल में अत्याधुनिक न्यरो सर्जरी, पीडियोटि क्स सर्जरी, गेस्टो सर्जरी, यूरोलॉजी, कार्डियोलाजी आदि सेवाएं अनभुवी चिकित्सकों की टीम द्वारा दी जाती है। पत्रकार वार्ता में संस्थान के चिकित्सकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि चिकित्सकों की टीम 24 घंटे परिसर में उपलब्ध रहती है। मरीजों को किसी भी आपात स्थिति में सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार के साथ ही आपातकालीन सेवाएं,फार्मेसी, डायग्नोस्टिक और ब्लड बैंक सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। बताया कि यहां समाज को नशे से मुक्ति दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत मथुरा जनपद का एकमात्र नशामुक्ति सेंटर भी है। वार्ता में डीन और प्राचार्य डॉ. आर. के. अशोका, चिकित्साधीक्षक डॉ. गौरव सिंह, नेत्र रोग विभागाध्क्ष डॉ. ए. के. जैन, कार्यकारी अधिकारी अरूण अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

अचल सरोवर पर होगा दीपोत्सव कार्यक्रम जलेंगे 51000 दीप

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दीपावली के पर्व को स्वच्छता के साथ भव्यता के साथ दीपोत्सव/देव दीपावली के रूप में मनाए जाने के निर्देश दिए थे।

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप महापौर प्रशांत सिंघल व नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने अलीगढ़वासियो को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से अलीगढ़ के अचल सरोवर पर 25 अक्टूबर को शाम 7 बजे भव्य रूप से दीपोत्सव-एक दीप स्वच्छता के नाम का आयोजन करने का निर्णय लिया है।

नगर निगम द्वारा दीपोत्सव के प्रथम आयोजन को भव्य व आकर्षक बनाने के लिए युदश्तर पर अचल सरोवर की सफ़ाई व 51000 दीप को जलाने की व्यवस्था की जा रही है। नगर निगम के पहले दीपोत्सव कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण का केंद्र लेज़र शो होगा। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि नगर निगम में पहली दफ़ा दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है दीपोत्सव-2025 कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आगामी 25 अक्टूबर 2025 को शाम 7 बजे से दीपोत्सव एक दीप माननीय स्वच्छता के नाम कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता व जनसहभागिता के संदेश को दीपों के माध्यम से व्यापक शतर पर प्रसारित करना है। अचल सरोवर पर महा आस्था परिसर, पश्चिमी घाट, भगवान शिव मंदिर परिसर, अचल सरोवर, बाल्मीकि घाट, सीता राम घाट पर 51,000 दीप जलाने के साथ भव्य लेज़र शो व आतिशबाजी का आयोजन किया जाएगा। लेज़र शो से नागरिक शिव तांडव, गणेश वंदना, राम आरती, रामायण-वंदेमातरम, जय हो व देश भक्ति गानों पर लेज़र बिम शो का आनंद ले सकेंगे।

महापौर प्रशांत सिंघल ने अलीगढ़ नगर निगम द्वारा दीपोत्सव का भव्य आयोजन किया जाना सराहनीय कदम है। सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वच्छता का संदेश फैलाने हेतु इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएँ और एक दीप स्वच्छता के नाम का दीपोउत्सव कार्यक्रम में आकर जलाए।

सिर्फ 25 की उम्र में ओलंपिक चैंपियन ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे सफल तैराकों में से एक, ऑस्ट्रेलिया की एरियार्न टिटमस ने सिर्फ 25 साल की उम्र में तैराकी से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया है. चार बार की ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर यह ऐलान किया. उन्होंने कहा कि अब उनके जीवन में कुछ चीजें तैराकी से ज्यादा अहम हो गई हैं.

पेरिस ओलंपिक में रचा था इतिहास

एरियार्न टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की दिग्गज तैराक केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया था. खास बात यह रही कि उन्होंने इस इवेंट में नया विश्व रिकॉर्ड भी बनाया था.

खत्म हुआ एरियार्न टिटमस का सुनहरा करियर

टिटमस के नाम कुल 33 अंतरराष्ट्रीय पदक दर्ज हैं. इनमें 4 ओलंपिक स्वर्ण, 3 रजत, और 1 कांस्य शामिल हैं. इसके अलावा उन्होंने चार विश्व खिताब भी अपने नाम किए. उन्होंने न केवल अपनी देश की उम्मीदों पर खरा उतरीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला तैराकी में एक नया मानदंड स्थापित किया.

क्यों लिया संन्यास का फैसला?

टिटमस ने अपने बयान में कहा, मुझे हमेशा से ही तैराकी में बेहद रूचि रही है. बचपन से ही ये मेरा सपना और जुनून रहा है, लेकिन अब जब मैंने थोड़ा वक्त इस खेल से दूर बिताया, तो महसूस किया कि जीवन में और भी बहुत कुछ है, जो मेरे लिए अब ज्यादा मायने रखता है. उनके इस बयान ने फैंस को भावुक कर दिया है.

अब खेल से बाहर नई शुरुआत की तैयारी

हालांकि एरियार्न टिटमस के कोच और प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे कि वह 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक में वापसी करेंगी, लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि उन्होंने नया रास्ता चुन लिया है. उन्होंने यह भी कहा कि यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन वह इस जीवन के नए अध्याय को लेकर उत्साहित हैं.

फीफा को लेकर फैंस में भारी क्रैज, विश्व कप 2026 के 10 लाख से अधिक टिकट बिके

मियामी, एजेंसी। फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने इस महीने की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर टिकट बिक्री शुरू होने के बाद से अपने पहले अपडेट में बताया कि अगले साल होने वाले विश्व कप के 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं। उम्मीद के मुताबिक सबसे अधिक मांग अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको के खरीदारों की ओर से रही। ये तीन देश इस टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। फीफा ने कहा कि 212 अलग-अलग देशों और क्षेत्रों के लोग पहले ही टिकट खरीद चुके हैं जबकि अभी टूर्नामेंट के लिए 48 में से केवल 28 ही टीम तय हुई हैं। फीफा ने कहा कि टिकट खरीदने के मामले में शीर्ष 10 देश में इंग्लैंड, जर्मनी, ब्राजील, स्पेन, कोलंबिया, अर्जेंटीना और फ्रांस भी शामिल हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक चलेगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने विज्ञप्ति में कहा, 'दुनिया भर की राष्ट्रीय टीमें ऐतिहासिक फीफा विश्व कप 2026 में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं और मुझे खुशी है कि इतने सारे फुटबॉल प्रेमी भी उत्तरी अमेरिका में इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय प्रतिक्रिया है और एक अद्भुत संकेत है कि इतिहास का सबसे बड़ा, सबसे समावेशी फीफा विश्व कप दुनिया भर के समर्थकों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। फीफा ने यह भी घोषणा की कि उसकी 'रीसेल साइट खुल गई है और न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में विश्व कप फाइनल के टिकट बृहस्पतिवार दोपहर तक 9,538 डॉलर से लेकर 57,500 डॉलर प्रति सीट की कीमत पर उपलब्ध थे।

नाओमी ओसाका के लगी चोट, जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल से हटीं

ओसाका, एजेंसी। नाओमी ओसाका बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को यहां जापान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल से हट गईं। मैच से पहले ओसाका के हटने से जैकलिन क्रिस्टियन को वाकओवर मिला और वह सेमीफाइनल में पहंच गईं। डब्ल्यूटीए टूर ने यह जानकारी दी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा कि शीर्ष वरीय ओसाका दूसरे दौर के मैच के दौरान लगी चोट से नहीं उबर पाईं। क्रिस्टियन ने इस साल तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। चोट के कारण बाहर होने से पहले ओसाका ने वकाना सोनोबे और 2024 की चैंपियन सुजेन लेमेन्स को हराया। जापान ओपन के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को अमेरिकी ओपन 2021 की उप विजेता लेला फर्नांडिज ने रेबेका रैमकोव को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

विराट-रोहित दोनों वर्ल्ड कप 2027 खेलेंगे...

● ट्रेविस हेड ने जैसे ही ये कहा अक्षर पटेल का चेहरा बदल गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज का आगाज 19 अक्टूबर से पर्थ में हो रहा है. इस सीरीज से पहले ट्रेविस हेड और अक्षर पटेल ने मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल पूछा गया. ट्रेविस हेड से पूछा गया कि ये ऑस्ट्रेलिया में विराट और रोहित दोनों की आखिरी सीरीज हो सकती है तो इसपर उन्होंने कहा कि उनके साथ खेलना सम्मान की बात है. साथ ही उन्होंने ये उम्मीद जताई कि ये दोनों दिग्गज 2027 वर्ल्ड कप भी खेलें. हालांकि ट्रेविस हेड के इस बयान के बाद अक्षर पटेल की जो भाव भंगिमा बदली उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

ट्रेविस हेड ने क्या कहा?

ट्रेविस हेड ने मीडिया से बातचीत में विराट और रोहित दोनं की तारीफ की. उन्होंने कहा, 'रोहित और विराट दोनों सफेद गेंद के खेल के महान खिलाड़ी हैं. विराट कोहली शायद सर्वकालिक महान वनडे क्रिकेटर हैं और रोहित भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं. उनके लिए काफी सम्मान है. मुझे लगता है कि दोनों वर्ल्ड कप 2027 खेलने वाले है. खेल के लिए बहुत अच्छा होगा.' ट्रेविस हेड ने जैसे ही ये कहा, गंभीर भाव से इस बात को सुन रहे अक्षर पटेल अचानक मुस्कुराने लगे. उन्होंने दोनों के वर्ल्ड कप 2027 खेलने के मुद्दे पर कुछ नहीं कहा लेकिन इस ऑलराउंडर ने इस बात की पुष्टि कर दी कि रोहित और विराट वनडे सीरीज के लिए बिल्कुल तैयार हैं.

अक्षर ने विराट-रोहित पर क्या कहा?

अक्षर पटेल ने कहा कि विराट और रोहित जानते हैं कि दोनों को क्या करना है. उन्होंने कहा, 'विराट-रोहित दोनों वर्ल्ड क्लास खिलाड़ी हैं. दोनों प्रोफेशनल खिलाड़ी हैं, जानते हैं कि क्या करना है, वो तैयार हैं. अगर आप उनकी फॉर्म के बारे में बात करेंगे तो वो अच्छी तैयारी कर रहे हैं. मुझे लगता है कि वो तैयार हैं. सभी खिलाड़ियों ने अपना फिटनेस टेस्ट दिया है और सीरीज के लिए तैयारी पूरी है.'

महिला विश्व कप:

मैच से पहले बोली इंग्लैंड की कप्तान, इस भारतीय बल्लेबाज को रोकना आसान नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदौर के होल्कर स्टेडियम में रविवार को होने वाले महिला वनडे विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले इंग्लैंड टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता का नाम है स्मृति मंधाना। भारतीय उप-कप्तान हाल ही में अपनी शानदार फॉर्म में लौटी हैं और विपक्षी कप्तान हीथर नाइट मानती हैं कि उन्हें बल्ले से शांत रखना इंग्लैंड के लिए सबसे मुश्किल काम होगा। स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापत्तनम में 80 रनों की दमदार पारी खेली थी, भले ही वह मैच भारत हार गया हो। लेकिन इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि बाएं हाथ की यह स्टार बल्लेबाज एक बार फिर अपने रंग में लौट आई हैं। टीम इंडिया चाहेगी कि मंधाना और हरमनप्रीत कौर इंग्लैंड के खिलाफ रन बरसाएं और टीम को जीत की राह दिखाएं।

वो अब भी वही पुरानी स्मृति है- हीथर नाइट: इंग्लैंड की अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान हीथर नाइट ने कहा, जब मैंने पहली बार उसके खिलाफ खेला था, तब से लेकर अब तक उसमें बहुत कुछ वैसा ही है।

वह अब भी वही पुरानी स्मृति है- शांत, आत्मविश्वासी और बेहद खतरनाक। बल्ले से उसे रोकना आसान नहीं होगा, और यही हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

नाइट ने भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हरमन का जुनून और ऊर्जा भारत को एक खतरनाक टीम बनाते हैं। उन्होंने कहा, हरमन और स्मृति दोनों बिल्कुल अलग हैं- एक जहां शांत और स्थिर है, वहीं दूसरी आग और जोश से भरी हुई। हरमन का जोश टीम को प्रेरित करता है, और उनके खिलाफ खेलना हमेशा कठिन रहता है।

मंधाना की विनम्रता पर मुग्ध नाइट: हीथर नाइट ने स्मृति के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, जब मैंने उसे पहली बार देखा, तो मुझे लगा कि यह लड़की बहुत खास है। वह चाहे जितनी प्रसिद्ध हो गई हो, लेकिन उसका व्यवहार अब भी विनम्र है।

यह बात मुझे हमेशा प्रभावित करती है। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने स्मृति के साथ इंग्लैंड की वेस्टर्न स्टॉर्म टीम में और बाद में आरसीबी के लिए भी खेला था। पहला डब्ल्यूपीएल सीजन उसके लिए मुश्किल था, लेकिन जिस तरह से उसने अगले साल वापसी की, वह उसके मजबूत इरादों की मिसाल है। भारत में वह सचमुच एक 'रॉकस्टार' है लेकिन इसके बावजूद जमीन से जुड़ी हुई।

इंग्लैंड की कप्तान साइवर-ब्रंट ने भी जताई चिंता: इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने भी माना कि भारत के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा। उन्होंने कहा, हरमनप्रीत अगर अपने ज़ोन में आ गईं तो उन्हें रोकना लगभग नामुमकिन है।

भारत के खिलाफ ओडीआई सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को करारा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत से पहले करारा झटका लगा है. ऑस्ट्रेलिया कुल मिलाकर ऐसा बिल्कुल भी नहीं चाह रहा था, क्योंकि उनके कई स्टार खिलाड़ी पहले ही सीरीज से बाहर हैं. अब इंजरी के कारण यह स्टार ऑलराउंडर भी बाहर हो गया है.

स्टार ऑलराउंडर बाहर...

दरअसल, अ टीम के स्टार ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन चोट के कारण तीन मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं. ग्रीन को ट्रेनिंग के दौरान हल्की साइड स्ट्रेन (पेट के पास खिंचाव) की शिकायत हुई थी, जिसके चलते वे नहीं खेल पाएंगे. उनकी जगह टॉप ऑर्डर बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को टीम में शामिल किया गया है. सीरीज की शुरुआत रविवार (19 अक्टूबर) से पर्थ में हो रही है. मार्नस लाबुशेन को शुरू में ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के चलते अब उन्हें मौका दिया गया है. कैमरन ग्रीन की यह नई चोट ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ा झटका है. हाल ही में वह पीठ की चोट से उबरकर दोबारा गेंदबाजी करने लौटे थे. अपने पिछले वनडे मैच में उन्होंने 118* रन की बेहतरीन पारी खेली थी, जिससे टीम को काफी उम्मीदें थीं. ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम की ओर से जो बयान आया है, उसके मुताबिक- कैमरन ग्रीन की चोट मामूली है और वे इस महीने के अंत तक घरेलू क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं, ताकि अगले महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले पहले एशेज टेस्ट की तैयारी कर सकें.

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रवक्ता ने कहा- ग्रीन थोड़े समय के लिए रिहैबिलिटेशन करेंगे और शेफील्ड शील्ड के राउंड तीन में कमबैक की प्लानिंग है.

विराट कोहली संग खेलने का टूटा था सपना, अब डेब्यू पर एमबीएस्टूडेंट ने जड़ा दोहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में दिल्ली की टीम अपना पहला मुकाबला हैदराबाद के खिलाफ खेल रही है. हैदराबाद के नेक्सजेन क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे एलीट ग्रुप-डी के इस मुकाबले में दिल्ली के बल्लेबाजों ने दमदार प्रदर्शन किया है. दिल्ली ने अपनी पहली पारी 529/4 के स्कोर पर घोषित की. दिल्ली की तरफ से युवा बल्लेबाज आयुष दोसेजा ने 279 गेंदों पर 209 रनों की पारी खेली, जिसमें 25 चौके और पांच छक्के शामिल रहे. आयुष का ये फर्स्ट क्लास में डेब्यू मुकाबला है, जिसे उन्होंने यादगार बना दिया. दिल्ली के लिए सनत सांगवान ने भी दोहरा शतक जड़ा.

सनत ने 21 चौके और तीन छक्के की मदद से 470 गेंदों पर नाबाद 211 रन बनाए. आयुष दोसेजा का फर्स्ट क्लास डेब्यू आठ महीने पहले ही हो गया रहता, तब विराट कोहली भी दिल्ली की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलने उतरे थे. लेकिन मैच से एक दिन दोसेजा का टखना मुड़ गया और डेब्यू का सपना तब अधूरा रह गया. अब उसी अधूरे सपने को उन्होंने नए अंदाज में पूरा किया. आयुष ने इस दौरान सनत सांगवान के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 319 रनों की साझेदारी की, जिसने दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया.

इस खिलाड़ी ने भी डेब्यू पर जड़ा दोहरा शतक: आयुष दोसेजा की तरह गोवा के अभिनव तेजराणा ने चंडीगढ़ के खिलाफ अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू पर दोहरा शतक लगाया.

अभिनव ने 320 गेंदों का सामना करते हुए 2025 रन बनाए, जिसमें 21 चौके और चार छक्के शामिल रहे. एक ही दिन दो डेब्यूटेंट बल्लेबाजों का दोहरा शतक बनाना रणजी इतिहास की एक दुर्लभ घटना मानी जा सकती है.

कोहली के साथ ना खेल पाने का दर्द बरकरार

आयुष दोसेजा ने कहा कि विराट कोहली के साथ खेलने का मौका छिन जाना उनके लिए काफी दुखद था, लेकिन उन्होंने उसे ही प्रेरणा बना लिया. उन्होंने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, किस्मत के अपने इरादे थे. विराट सर के साथ खेलने का मौका बस आया और चला गया. लेकिन रणजी डेब्यू पर दोहरा शतक लगाना उस दर्द को काफी हद तक कम कर गया. आयुष दोसेजा ने इस इनिंग्स का श्रेय साथी खिलाड़ी सनत सांगवान को भी दिया. दोसेजा कहते हैं, हमने अंडर-23 और अंडर-24 क्रिकेट एक साथ काफी खेली है. हमें पता था कि अगर सकारात्मक तरीके से क्रिकेट खेलेंगे तो रन अपने-आप आएंगे. दिलचस्प बात यह है कि आयुष क्रिकेट के साथ-साथ स्कूल की पढ़ाई भी कर रहे हैं. आयुष दोसेजा ने बताया, मैं मेरठ की एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी से एमबीए कर रहा हूं..

क्रिकेट का नया फॉर्मेट इस दिन होगा लॉन्च, ये हैं नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट में आए दिन कोई न कोई बदलाव होते रहते हैं, लेकिन इस बार एक नए फॉर्मेट का जन्म हुआ है. जो क्रिकेट के रोमांच को और ज्यादा बढ़ा देगा. इसके लिए वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ी सर क्लाइव लॉयड, साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन और टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी हरभजन सिंह को टेस्ट ट्वेंटी फॉर्मेट के सलाहकार बोर्ड में शामिल किया गया. इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स के पूर्व सीईओ माइकल फोर्डहम को चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है.

क्या है नया फॉर्मेट?

टेस्ट ट्वेंटी फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट के पहलुओं को टी20 के साथ मिलाने की कोशिश करेगा. ये दुनिया का पहला 80 ओवर का फॉर्मेट होगा.

हालांकि दोनों टीमों को एक साथ 40 ओवर खेलने के बजाय उनको 20-20 ओवर की दो पारियां खेलने का मौका मिलेगा.

इसके लिए प्रत्येक टीम दो बार बल्लेबाजी करेगी, ठीक वैसे ही जैसे टेस्ट मैच में होता है. इसमें टेस्ट और टी20 क्रिकेट दोनों के नियम लागू होंगे. इसमें सभी चार परिणाम जीत, हार, टाई या ड्रॉ संभव हो सकते हैं.

टेस्ट ट्वेंटी कब शुरू होगा?

टेस्ट ट्वेंटी का पहला सीजन जनवरी 2026 में शुरू होगा. इसमें 6 फ्रेंचाइजी हिस्सा लेंगी. जिनमें से तीन भारत से और तीन दुबई, लंदन और संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधित्व करेंगी. प्रत्येक टीम में 16 खिलाड़ी होंगे.

इस नए फॉर्मेट का आधिकारिक उद्घाटन 16 अक्तूबर किया गया. टेस्ट ट्वेंटी द वन वन सिक्स नेटवर्क के कार्यकारी अध्यक्ष गौरव बहिरवानी के दिमाग की उपज है. इस फॉर्मेट का पूर्व क्रिकेटरों ने काफी तारीफ की है.

पूर्व खिलाड़ियों ने क्या कहा: ाउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा कि टेस्ट ट्वेंटी से क्रिकेट में रोमांच और बढ़ेगा. इसके अलावा युवा खिलाड़ियों को भी इसमें भरपूर मौका मिलेगा. वेस्टइंडीज के दिग्गज सर क्लाइव लॉयड ने कहा कि क्रिकेट के हर युग में रहने के बाद मैं ये कह सकता हूं कि खेल ने हमेशा खुद को ढाला है, लेकिन कभी इतनी सोच-समझकर नहीं. टेस्ट ट्वेंटी इस खेल की कला और लय को वापस लाता है, साथ ही इसे आधुनिक ऊर्जा से जीवंत रखता है.